शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 302 | गुवाहाटी | गुरुवार, 5 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

70 साल लिव-इन में रहने के बाद 95 साल के दूल्हे और 90 साल की दुल्हन... पेज 2
ब्रह्मपुत्र के उत्तरी तट पर कोबोचापोरी में हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी की हुई... पेज 3
पंजाब सरकार ने 95 फीसदी छोटे कारोबारियों को दी बड़ी राहत पेज 5
कोहली ने टेस्ट के प्रति फिर दिखाया प्यार, युवाओं से इस प्रारूप के सम्मान का आग्रह पेज 7

आरसीबी की जीत के जश्न में भगदड़ 11 लोगों की मौत, 50 से अधिक घायल

राज्य सरकार ने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए, मृतकों के परिजनों को दिए जाएंगे 10-10 लाख

बेंगलुरु (हि.स.)। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की विक्ट्री परेड के दौरान मची भगदड़ में कम से कम 11 लोगों की मौत की खबर है, जबकि हादसे में 50 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। राज्य सरकार ने इसकी पुष्टि करते हुए मृतक परिजनों के लिए 10-10 लाख रुपए की आर्थिक मदद की घोषणा की है। घायलों में से 27 की हालत गंभीर है जिन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद स्टेडियम में प्रशंसकों की मौजूदगी में आईपीएल की विजेता टीम को सम्मानित किया गया। बुधवार को आरसीबी की विक्ट्री परेड में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मौजूद थे। पुलिस ने उन्हें काबू करने के लिए लाठीचार्ज किया, जिसके बाद भगदड़ मच गई। स्टेडियम के मेन गेट के पास मची भगदड़ में लोगों की मौत हुई और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। अधिकृत जानकारी के मुताबिक बॉरिंग अस्पताल में 7 और वैदेही अस्पताल में 4 लोगों की मौत हो गई। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बेंगलुरु पुलिस ने

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया, जिसके बाद प्रशंसकों में और अफरातफरी मच गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि भीड़ की संख्या अपेक्षा से कहीं अधिक थी और स्टेडियम के आसपास ट्रैफिक जाम ने स्थिति को और मुश्किल बना दिया। पुलिस ने घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया और मृतकों की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस बीच हादसे के घायलों से मिलने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया अस्पताल पहुंचे और उनका हाल जाना। मुख्यमंत्री ने अस्पतालों के डॉक्टरों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। -शेष पृष्ठ दो पर

बीसीसीआई ने जताया दुख, कहा- योजना बनानी चाहिए थी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के जश्न में मची भगदड़ को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का बयान भी सामने आया है। बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों के मरने की भी खबर है। सूत्रों ने अस्पताल अधिकारियों के हवाले से इस बात की पुष्टि की है। आरसीबी के खिताब जीतने पर बंगलूरू में मंगलवार रात से ही जश्न का माहौल था। आरसीबी फ्रेंचाइजी ने घरेलू प्रशंसकों के साथ इस ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाने का फैसला किया था। आईपीएल 2025 की चैंपियन आरसीबी की टीम बुधवार को अहमदाबाद से बंगलूरू पहुंची। बंगलूरू पहुंचने पर चैंपियन खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। बंगलूरू एयरपोर्ट से लेकर टीम होटल और कर्नाटक विधानसौधा के बाहर तक प्रशंसकों का भारी हुजूम लगा रहा। आरसीबी टीम के चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंचने से पहले भगदड़ मच गई जिसमें चार -शेष पृष्ठ दो पर

भूपेन हजारिका पर लिखी पुस्तक 23 भाषाओं में होगी अनुवादित : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। प्रसिद्ध संगीतकार और भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका के जीवन पर आधारित एक किताब का 23 भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया जाएगा और चार लाख पुस्तकालयों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और सरकारी कार्यालयों में वितरित किया जाएगा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को घोषणा की। लोक सेवा भवन में प्रेस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रख्यात साहित्यकार अनुराधा शर्मा पुजारी द्वारा लिखित इस पुस्तक को समीक्षा प्रक्रिया के बाद असम भर में 10 लाख परिवारों को भी भेजा जाएगा। गुरुदेव के जन्म शताब्दी समारोह की हाल की तैयारियों पर प्रकाश डालते हुए शर्मा ने कहा कि कोर कमेटी की पहली बैठक बुधवार को हुई। समिति में भूपेन हजारिका के पुत्र तेज हजारिका, पौत्र सेज -शेष पृष्ठ दो पर

काजीरंगा नेशनल पार्क का होगा विस्तार, असम कैबिनेट ने दी मंजूरी

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में असम कैबिनेट ने काजीरंगा नेशनल पार्क के छठे विस्तार को मंजूरी दे दी है। इसके तहत पार्क में 47 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र जोड़ा जाएगा। इसका उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण को सशक्त बनाना और सतत पर्यटन को बढ़ावा देना है। कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने राजधानी दिसपुर के लोक सेवा भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि यह विस्तार युनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट की सुरक्षा को और मजबूत करेगा। नए शामिल गांवों में गोपाल -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

पूर्वोत्तर के राज्यों में बाढ़ पर पूरा सहयोग देगा केंद्र : ज्योतिरादित्य सिंधिया

गुवाहाटी/नई दिल्ली (हि.स.)। पूर्वोत्तर भारत में मूसलाधार बारिश के चलते आई बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति पर केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर) और संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया ने गहरी चिंता जताई है। उन्होंने प्रभावित राज्यों को केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने इस संबंध में सिक्किम और असम के मुख्यमंत्रियों तथा मणिपुर के राज्यपाल से व्यक्तिगत रूप से बात की। उन्होंने हालात की जानकारी ली और केंद्र की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग से फोन पर बात करते हुए सिंधिया ने कहा कि हम इस कठिन समय में सिक्किम के लोगों के साथ मजबूती से खड़े हैं और सभी संभव सहायता देंगे। वहीं, उन्होंने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से भी बात की और राज्य में हालात की समीक्षा करते हुए राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए केंद्र से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान, बांग्लादेश से जुड़े एक हजार सोशल मीडिया अकाउंट की जांच कर रही है पुलिस : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश से जुड़े संदिग्ध करीब 1,000 सोशल मीडिया खातों की राज्य पुलिस जांच कर रही है। कैबिनेट बैठक में भाग लेने के बाद शर्मा ने कहा कि मैंने (असम पुलिस की) विशेष शाखा को फेसबुक पर 2,000 से अधिक खातों की जांच करने को कहा है जो असम चुनाव पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर टिप्पणी कर रहे हैं। इनमें से आधे खाते बांग्लादेश और पाकिस्तान के हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि फेसबुक जैसे मंचों पर ये खाते कथित तौर पर एक विशेष समुदाय के सदस्यों द्वारा राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए एक ही दिन में खोले गए। उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आने पर यह संख्या और बढ़ेगी, क्योंकि इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) चाहती है कि कोई जीत जाए। अगर आप टिप्पणियां पढ़ेंगे, तो आप देखेंगे कि उनमें हमारे लोगों के नाम नहीं हैं। मैं 10 सितंबर को और जानकारी दूंगा। मुख्यमंत्री उस तारीख का जिक्र कर रहे थे, जिस दिन राज्य पुलिस का विशेष जांच दल (एसआईटी) सांसद और असम कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष गौरव गोगोई और उनकी ब्रिटिश पत्नी के पाकिस्तान के सैन्य और खुफिया प्रतिष्ठानों से कथित संबंधों पर अपनी रिपोर्ट सार्वजनिक करने वाला है। असम की -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

पृथ्वी सत्य पे टिकी हुई है। ये सत्य की ही ताकत है, जिससे सूर्य चमकता है और हवा बहती है। वास्तव में सभी चीजें सत्य पे टिकी हुई हैं।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से

नई दिल्ली (हि.स.)। ऑपरेशन *सिंदूर* और बाद के घटनाक्रम पर संसद के विशेष सत्र आयोजित किए जाने की विपक्ष की मांग के बीच सरकार ने आज घोषणा की है कि आगामी मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 12 अगस्त तक चलेगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल की संसदीय -शेष पृष्ठ दो पर

रास चुनाव : असम भाजपा ने एक सीट के लिए 13 उम्मीदवारों की सूची बनाई

गुवाहाटी। असम भाजपा ने 19 जून को होने वाले उच्च सदन के द्विवार्षिक चुनाव में एक राज्यसभा सीट के लिए 13 वरिष्ठ नेताओं को उम्मीदवार के रूप में चुना है। असम भाजपा महासचिव पल्लब लोचन दास ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा कि भाजपा की राज्य चुनाव समिति को राज्यसभा- 2025 के लिए नामांकन के लिए 13 आवेदन प्राप्त हुए हैं और विस्तृत चर्चा के बाद समिति ने 13 वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के नाम आपके विचारार्थ भेजने का निर्णय लिया है। नामांकित व्यक्तियों में गुवाहाटी की पूर्व सांसद क्वीन ओजा, सिलचर के पूर्व सांसद, राजदीप रॉय, सांसद (राज्यसभा), -शेष पृष्ठ दो पर

साल 2027 में जातियों के साथ दो चरणों में होगी जनगणना

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि साल 2027 में जनगणना आयोजित करने का निर्णय लिया है, जिसमें जातियों की गणना भी शामिल होगी। यह जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि राष्ट्रव्यापी जनसंख्या 1 मार्च, 2027 को शुरू होगी। इसमें जातियों की गणना भी शामिल होगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जनगणना की प्रक्रिया अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू हो जाती है। जनगणना कराने के आशय की अधिसूचना संभवत: 16 जून 2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी। जनगणना का दूसरा और अंतिम चरण फरवरी 2027 से शुरू होकर 01 मार्च 2027 (संदर्भ तिथि) को संपन्न हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछली जनगणना 2011 में आयोजित की गई थी, जो दो चरणों में पूरी हुई थी। 2021 में होने वाली जनगणना कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। -शेष पृष्ठ दो पर

एलन मस्क के पिता ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के किए दर्शन

अयोध्या (हि.स.)। दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति एलन मस्क के पिता एरोल मस्क बुधवार को अयोध्या पहुंचे। एरोल मस्क ने यहां श्रीराम जन्मभूमि पर विराजमान रामलला एवं सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में हनुमंत लला का दर्शन-पूजन कर मत्था टेका। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत एरोल मस्क बुधवार को अयोध्या धाम पहुंचे। उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि पहुंचकर रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश की सीमा में घुसा बीएसएफ जवान, बीजीबी ने वापस सौंपा

मुर्शिदाबाद (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले की भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चौंकाने वाली घटना सामने आई है। सीमा पार घुसपैठ रोकने के प्रयास में एक बीएसएफ जवान को कथित तौर पर बांग्लादेशी नागरिकों ने अगवा कर लिया और उसे बांग्लादेश के इलाके में ले जाकर पेड़ से बांधकर पीटा। स्थानीय लोगों ने उसे बॉर्डर गार्ड ऑफ बांग्लादेश (बीजीबी) को सौंप दिया। हालांकि बाद में जवान को बीएसएफ को वापस सौंप दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, -शेष पृष्ठ दो पर

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर, करीब 6.5 लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति बुधवार को भी बहुत गंभीर बनी हुई है और लगातार बारिश के कारण राज्य के कई हिस्सों में जलस्तर बढ़ गया और नए इलाके जलमग्न हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ब्रह्मपुत्र सहित सात नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जबकि गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने राज्य में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा का पूर्वानुमान जताया है। धुबड़ी, दक्षिण शालमारा-मनकाचर, ग्वालपाड़ा और कोकराझाड़ में गरज के साथ बारिश होने और बिजली चमकने तथा 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। असम राज्य आपदा -शेष पृष्ठ दो पर

धुबड़ी में बाढ़ के पानी में किशोर लापता

धुबड़ी। असम के धुबड़ी जिले में ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जो बुधवार को अपने खतरे के निशान 28.62 मीटर से 40 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। पिछले कई दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण ऐसा हुआ है। इस घटना ने धुबड़ी जिला आपदा प्रबंधन विभाग को गंगाधर, टिपकाई, चंपावती और गौरांग सहित अन्य आस-पास की नदियों के बारे में चिंता जताने के लिए प्रेरित किया है, जिनमें से -शेष पृष्ठ दो पर

यूएन में बिलावल ने कबूला पाकिस्तान का सच, कहा-

आईएसआई ही रोक सकती है आतंकी हमला

संरा। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने संयुक्त राष्ट्र संघ में गलती से अपने ही देश की खुफिया एजेंसी की पोल खोल दी है। दरअसल, यूएन में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बिलावल ने कहा कि आतंकवाद तभी खत्म हो सकता है, जब भारत की एजेंसियां हमारे यहां की आईएसआई के साथ बैठकर बात करेगी। बिलावल के मुताबिक इसके अलावा आतंकवाद को खत्म करने का और कोई ऑप्शन नहीं है। भारत की सरकार लंबे वक्त से पाकिस्तान के खुफिया एजेंसी पर आतंकवादियों -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

70 साल लिव-इन में रहने के बाद 95 साल के दूल्हे और 90 साल की दुल्हन ने रचाई शादी

उदयपुर। राजस्थान के डूंगरपुर जिले के गलंदर गांव में एक अनोखी और प्रेरणादायक शादी देखने को मिली। यहां 70 वर्षों से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे 95 वर्षीय रामा भाई अंगारी और 90 वर्षीय जीवली देवी ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ शादी कर एक मिसाल कायम की। रामा भाई और जीवली देवी का जीवनसाथी का रिश्ता सात दशकों से मजबूत रहा, लेकिन उन्होंने कभी सामाजिक रूप से विवाह नहीं किया था। उनके आठ बच्चे और कई पोते-पोतियां भी हैं। जब इस जोड़े ने समाज के सामने विवाह करने की इच्छा जाहिर की तो उनके बच्चों ने इसे सहर्ष स्वीकार कर धूमधाम से शादी का आयोजन किया। एक जून को हल्दी और लग्न की रस्में हुईं। इसके बाद 5 जून को गांव में डीजे की धुन पर बिंदौरी निकाली गई। इस दौरान उनके बेटे, पोते और गांव के लोग नाचते-गाते हुए शामिल हुए। बाद में रीति-रिवाज से सात फेरे लेकर दूल्हा-दुल्हन बने रामा और जीवली ने एक-दूसरे को जीवनसाथी के रूप में स्वीकार किया। शादी के उपरांत सामूहिक भोज का आयोजन भी हुआ, जिसमें पूरे गांव ने भाग लिया। रामा भाई अंगारी ने जीवनभर गुजरात में कुएं खोदने और खेती-बाड़ी कर परिवार पाला। वहीं जीवली देवी ने 12 वर्षों तक माडा संस्था में हैंडलूम पर दरियां बनाईं। बाद में आंखों की रोशनी कम होने पर उन्होंने भी खेती-बाड़ी संभाली। इस बुजुर्ग दंपति के चार बेटे और चार बेटियां हैं। सबसे बड़ा बेटा बखू खराड़ी (60) किसान है। शिवराम (57), कांतिलाल (48) और सुनीता (53) सरकारी शिक्षक हैं, जबकि अनिता (50) सरकारी नर्स हैं। पुत्र लक्ष्मण लाल (44) खेती-बाड़ी करते हैं। तीसरी बेटी जंतु की 55 वर्ष की उम्र में मृत्यु हो गई, जबकि सबसे छोटी बेटी सीता की शादी के बाद से कोई जानकारी नहीं है।

झाबुआ : ट्राले की चपेट में आने से हुई भीषण दुर्घटना में नौ लोगों की मौके पर ही मौत

झाबुआ (हि.स.)। जिले के मेघनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सजेली फाटक और थांदला रोड़ रेलवे स्टेशन के बीच बीती मध्य रात्रि करीब एक बजे हुई भयावह सड़क दुघर्टना में नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए हैं। दुर्घटना में हताहत हुए लोग एक विवाह समारोह से अपने घरों की ओर लौट रहे थे, तभी अंधाधुंध गति से आ रहे ट्राले ने ईको वाहन को टक्कर मार दी। दूर्घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, तथा मृतकों के शव और घायलों को थांदला एवं मेघनगर के अस्पतालों में पहुंचाया गया। दुर्घटना के बाद ट्राले का चालक मौके से फरार हो गया। उक्त हृदय विदारक दुर्घटना मंगलवार एवं बुधवार की दरमियानी रात में करीब एक बजे घटित हुई, जब मेघनगर जनपद क्षेत्र के कल्याणपुरा के समीप ग्राम भावपुरा में आयोजित एक विवाह समारोह से अपने घरों की तरफ लौट रहे थे। दुर्घटना में मरने वाले लोग मेघनगर जनपद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम शिवगढ़ और दैवीगढ के है और ये सब दो परिवारों से संबद्ध हैं। तेज गति से जा रहे ट्राले ने ईको वाहन को अपनी चपेट में ले लिया, परिणामस्वरूप ईको यात्री वाहन के परखच्चे उड़ गए। वाहन को अपनी चपेट में लेने के बाद ट्राले के चालक ने यात्री वाहन को बचाने का कोई प्रयास नहीं किया, और वाहन काफी दूर तक घसीटा जाने के बाद चकनाचूर हो गया। वाहन में बैठे अधिकांश लोग बुरी तरह काल कलवित हो गए। थाना मेघनगर पुलिस पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार दुर्घटना में मुकेश पुत्र गोपाल खपेड़ (40), सांवली बाई पति मुकेश खपेड़ (35), विनोद पुत्र मुकेश खपेड़ (16), एवं पायल पुत्री मुकेश खपेड़ (12), मड़ीबाई पति भारूलाल बामनिया (38), विजय पुत्र भारूलाल बामनिया (14), रागिनी पुत्री रामचंद्र बामनिया (14), अकेली पति सोमला परमार (35), की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आशु पुत्र रामचंद्र बामनिया (19), पायल पुत्री सोमला परमार (9), निवासी ग्राम दैवीगढ़ को गंभीर अवस्था में मेघनगर एवं थांदला के सिविल अस्पताल में इलाज हेतु एडमिट कराया गया हैं।

तालाब से बरामद हुआ युवक का शव

कामरूप (हिंस)। रंगिया के बालिसत्र में एक दुखद घटना सामने आई है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मंगलवार को एक स्थानीय तालाब (पुखुरी) में नहाते समय एक युवक लापता हो गया। लापता युवक की पहचान 30 वर्षीय मिंटू नमःशूद्र के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मिंटू अपने कुछ स्थानीय साथियों के साथ तालाब में नहाने गया था। नहाते समय अचानक वह पानी में डूब गया और कुछ ही क्षणों में नजरों से ओझल हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने तलाशी अभियान चलाया और काफी मशक्कत के बाद युवक का शव तालाब से बरामद किया। घटना से इलाके में शोक की लहर है और पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

रेलवे ट्रैक पर जलभराव से पूसीरे ने रद्द कीं कई ट्रेनें

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (एनएफआर) के कुछ सेक्शनों में ट्रैकों पर पानी भरने और सिलचर वाशिंग पिट्स में जलभराव के कारण कई ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं। एनएफआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि इसके चलते कुछ ट्रेनें रद्द, कुछ शॉर्ट टर्मिनेट/ओरिजिनेट और कुछ पुनर्निर्धारित की गई हैं। 4 जून को रद्द ट्रेनों में 55690 बड़रपुर-डुल्लवछेरा पैसेंजर, 55689 डुल्लवछेरा-बड़रपुर पैसेंजर, 55688 सिलचर-डुल्लवछेरा पैसेंजर, 55675 अगरतला-धर्मनगर पैसेंजर शामिल हैं। 5 जून को रद्द ट्रेनों में 55687 डुल्लवछेरा-सिलचर पैसेंजर, 55676 धर्मनगर-अगरतला पैसेंजर शामिल हैं। शॉर्ट टर्मिनेट/ओरिजिनेट ट्रेनों में (4 जून) 55668/55667 बैराबी-सिलचर-बैराबी एक्सप्रेस कटाखाल जंक्शन तक चलेगी। कटाखाल से सिलचर के बीच रद्द रहेगी। 12097/12098 अगरतला-अरुणाचल-अगरतला एक्सप्रेस बड़रपुर तक चलेगी। बड़रपुर से अरुणाचल के बीच रद्द रहेगी। 15616 सिलचर-गुवाहाटी एक्सप्रेस बड़रपुर से शुरू होगी। सिलचर से बड़रपुर के बीच ट्रेन रद्द रहेगी।

दो ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया इलाके से पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर रंगिया के 27 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलाए गए अभियान के दौरान सोसाइटी मुरारा फ्लाईओवर के पास ड्रग्स की तस्करी में शामिल दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। रंगिया पुलिस आना थाना प्रभारी नवजीत नाथ के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान लामडिंग से बरपेटा की ओर जा रहे ट्रक (एएस-15एस-9741) को जब्त किया गया। इस मामले में बरपेटा के रायपुर निवासी हफीजुद्दीन और सीमलाजहार मौतूपुर निवासी रियाज अली को गिरफ्तार किया गया है।

No.RDB-69/15th Finance/BTC/2021-22 *Dated Kokrajhar the 04/06/2025*

NOTICE INVITING TENDER

Tender No.

Sealed tenders with a validity period of 180 (one hundred eighty) days from the date of receipt in prescribed from affixing non-refundable court fee stamps of Rs. 8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only subsequently to be drawn up in printed F-2 form are hereby invited from the Govt. registered PWD Roads), Irrigation, Water Resources, PHE others Govt. Contractor's under Class-I (A, B, C), Class-II and Class-III category according to tender limit of eligibility for the following works and will be received in the office of the undersigned from 11.00 AM up to 2.00 pm. on 10-06-2025 and will be opened on 30-06-2025 at same place at 2.15 pm in the presence of willing contractors or their authorized agents.

Name of Dev. Block	Name of Scheme	Tender Amount (Rs.)	Earnest Money	Cost of Tender in Rs.	Time for completion in days
Rupshi Dev. Block.	"Const of RCC culvert near Hussain Sikdar house at shouth kurshakati"	Rs. 6,00,000.00	1% for ST, SC, OBC & 2% for others	180.00	3 (Three) Month

Details NIT may be seen in all working days in the office of the undersigned. Tender paper will be issued to the contractors or their authorized agent up to 12.00 Noon on all working days from 06-06-2025 to 10-06-2025 in the office of the undersigned on payment of in the form of Banker cheque/ Demand draft of nationalized Bank (Preferable SBI) duly pledged to the BDO, Rupshi Dev. Block, **BTC, Kokrajhar**. The Cost of tender (Non-Refundable) must be in the form of Demand Draft/ Banker Cheque of a Nationalized Bank drawn in favour of the **Principal Secretary, BTC, Kokrajhar** and payable at **SBI, Kokrajhar** to be deposited **0.03%.**

Sd/- Block Development Officer,
Rupshi Dev. Block, Rupshi

IPR(BTC)/C/2025-26/588

पृष्ठ एक का शेष

आरसीबी की जीत ...

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि बड़ी संख्या में पहुंची भीड़ बेकाबू थी जिसे संभालने में पुलिस को मुश्किलें हो रही थी। हवाई अड्डे से लेकर स्टेडियम तक भीड़ बेकाबू थी। स्टेडियम के बाहर भारी अफरातफरी और भगदड़ के बाद स्टेडियम के भीतर बड़ी संख्या में उपस्थित प्रशंसकों के सामने आईपीएल 2025 की विजेता टीम आरसीबी के सदस्यों को सम्मानित किया गया। उधर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने हादसे के बाद प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि विजय समारोह के दौरान एक बड़ी त्रासदी हुई। सरकार ने मृतकों के लिए 10 लाख रुपए के मुआवजे की घोषणा की है। सरकार घायलों को मुफ्त इलाज मुहैया कराएगी। सिद्धारमैया ने कहा कि मैं इस घटना का बचाव नहीं करना चाहता। मैंने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं और 15 दिन का समय दिया है। किसी को इतनी बड़ी भीड़ की उम्मीद नहीं थी, स्टेडियम की क्षमता सिर्फ 35,000 लोगों की है, लेकिन 2-3 लाख लोग आए। यह त्रासदी नहीं होनी चाहिए थी। सरकार इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करती है। प्रेस कांफ्रेंस में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और गृह मंत्री जी परमेश्वर भी मौजूद रहे। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि बड़ी संख्या में पहुंची भीड़ बेकाबू थी जिसे संभालने में पुलिस को मुश्किलें हो रही थी। हवाई अड्डे से लेकर स्टेडियम तक भीड़ बेकाबू थी। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि राज्य सरकार को इस त्रासदी की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। जब पूरा देश और कर्नाटक आरसीबी की जीत का जश्न मना रहा था, तब राज्य सरकार ने बिना किसी पूर्व तैयारी के विजय रैली निकालने की जल्दबाजी की, जिससे यह त्रासदी हुई। राज्य सरकार ने कभी पूर्व तैयारियों की परवाह नहीं की। उन्हें प्रचार में अधिक रुचि थी। इसका नतीजा यह हुआ कि 11 से अधिक लोगों की मौत हो गई। कुछ लोग आईसीयू में हैं। मैंने कुछ पीड़ितों से बात की, अंदर कोई पुलिस नहीं थी, कोई एम्बुलेंस सुविधा नहीं थी। मुख्यमंत्री को मामले को न्यायिक जांच के लिए भेजना चाहिए। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम का विधानसभा के पास आयोजित एक समारोह के दौरान भव्य स्वागत किया। अहमदाबाद से बेंगलुरु पहुंची टीम का कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने एयरपोर्ट पर विराट कोहली समेत आरसीबी की टीम के सदस्यों का स्वागत किया। जैसे ही विराट विमान से नीचे उतरे डीके शिवकुमार ने उन्हें गले लगाया और फूलों का गुलदस्ता देकर उनका अभिनंदन किया।

बीसीसीआई ने जताया ...

लोगों की मौत हो गई। इसे लेकर अब बीसीसीआई ने भी दुख जताया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि यह दुखद घटना है। यह लोकप्रियता का नकारात्मक पहलू है, लोग अपने क्रिकेटरों के लिए पागल हैं। यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है, आयोजकों को आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न की बेहतर योजना बनानी चाहिए थी। मृतकों के परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। सैकिया ने कहा कि जब कोई इतने बड़े पैमाने पर विजय उत्सव का आयोजन करता है, तो उचित सावधानी, सुरक्षा और संरक्षा उपाय किए जाने चाहिए। कहीं न कहीं कुछ चूक हुई है। आईपीएल के इतने शानदार समापन के बाद, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना रही। पहले भी आईपीएल की खिताबी जीत का जश्न मनाया गया है, जैसे पिछले साल कोलकाता में जब केकेआर ने जीत हासिल की थी, लेकिन वहां कुछ नहीं हुआ था। सैकिया ने बारबाडोस में भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद मुंबई में हुए जश्न का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा कि जब हमने टी20 विश्व कप जीता था, तब भी यही स्थिति थी। मुंबई में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, लेकिन कुछ नहीं हुआ। पुलिस और स्थानीय अधिकारियों ने मिलकर काम किया जिससे कार्यक्रम सुचारू रूप से आयोजित किया जा सके। मुझे उम्मीद है कि कोई और अप्रिय घटना न हो। उन्होंने कहा कि मंगलवार को अहमदाबाद में भी आईपीएल फाइनल के दौरान स्टेडियम में 120,000 लोग थे, लेकिन बीसीसीआई के पास एक समर्पित टीम है, जिसने स्थानीय जिला प्रशासन और कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ मिलकर दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत योजना बनाई। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि सरकार ने भगदड़ या ऐसी किसी भी स्थिति से बचने के लिए रोड शो रोक दिया था। लेकिन, यह अनुमान नहीं था कि स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचेगी। सभी को मिलकर डैमेज कंट्रोल पर काम करना चाहिए। ऐसा किसी भी राज्य में हो सकता है और इसके लिए सत्ताधारी पार्टी को दोष नहीं देना चाहिए। इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। अगर ऐसा किसी भाजपा शासित राज्य में होता है तो हमें उन्हें दोष नहीं देना चाहिए। भीड़ बहुत ज्यादा थी, मैंने फ्रेंचाइजी से बात की, उन्होंने भी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी भीड़ आएगी और अचानक ये घटना हो गई। मृतकों के परिवारों को ज्यादा से ज्यादा मदद पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। इस भगदड़ पर आरसीबी के प्रवक्ता ने भी बयान दिया है। आरसीबी के प्रवक्ता ने कहा कि प्रशंसकों ने इस कप के लिए 18 साल इंतजार किया। हमें उनसे सहानुभूति रखनी चाहिए।

भूपेन हजारिका पर ...

हजारिका, भाई समर हजारिका, भाभी मनीषा हजारिका तथा उनके अन्य करीबी सहयोगी शामिल हैं। शर्मा ने कहा कि उन्होंने बहुमूल्य सुझाव साझा किए जिन पर सरकार विचार करेगी और जहां संभव होगा, उन्हें लागू करेगी। यह दोहराते हुए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शताब्दी समारोह का उद्घाटन करेंगे, मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने गुवाहाटी में उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि बनने के लिए राज्य का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। राज्य सरकार ने पूरे देश में साल भर चलने वाले कार्यक्रमों के साथ भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी मनाने की योजना बनाई है। शर्मा ने भूपेन हजारिका के सम्मान में एक स्मारक सिक्का जारी करने के प्रस्ताव का भी खुलासा किया, जिसके लिए वित्त मंत्री और भारतीय रिजर्व बैंक को औपचारिक अनुरोध भेजा गया है। इससे पहले अप्रैल में असम मंत्रिमंडल ने 8 सितंबर से शुरू होने वाले शताब्दी समारोह की देखरेख के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 50 सदस्यीय समिति के गठन को मंजूरी दी थी। सभी पूर्वोत्तर मुख्यमंत्रियों को समिति के संरक्षक के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि केंद्रीय कार्यक्रम न केवल गुवाहाटी में बल्कि नई दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और अरुणाचल प्रदेश में भी आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन और समापन समारोह के लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों को निमंत्रण दिया जाएगा।

काजीरंगा नेशनल पार्क...

जरानी, गोनैतापु, जोबरे, थूटे चापोरी, बालीगांव (विश्वनाथ घाट), उमातामोनी, गाखिरखाइते, सिलघाट और हातिमुरा शामिल हैं। कैबिनेट की अन्य प्रमुख घोषणाओं में सीमा और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले मूल निवासियों को मिलेगा हथियार लाइसेंस, जिससे उनकी सुरक्षा होगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। 250 करोड़ की योजना से 34 पॉलिटेक्निक और 43 आईटीआई संस्थानों को टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से *सेंटर ऑफ एक्सीलेंस* में बदला जाएगा। तीन संस्थानों का नामकरण – सरुसजाई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का नाम अब अर्जुन भोगेश्वर बरुवा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मंगलदै स्टेडियम का नाम राजा धर्म नारायण स्टेडियम और पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान का नाम गोलाप बरबोरा राज्य संस्थान होगा। इसके अलावा, 900 मेगावाट की पम्प्ड स्टोरेज परियोजना के लिए ग्रीनको एनर्जी को भूमि आवंटन और पाम ऑयल की खेती के लिए भूमि श्रेणियों में ढील दी गई है।

पूर्वोत्तर के राज्यों ...

भल्ला से बातचीत के दौरान भी उन्होंने केंद्र सरकार की पूरी प्रतिबद्धता दोहराई और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता पहुंचाने की बात कही। सिंधिया ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर सोशल मीडिया *एक्स* (पूर्व में ट्विटर) पर भी पोस्ट किया और पूर्वोत्तर के लोगों के साथ एकजुटता जताई। उन्होंने लिखा कि केंद्र सरकार स्थिति से निपटने के लिए त्वरित और समन्वित प्रयासों के लिए प्रतिबद्ध है।

पाकिस्तान, बांग्लादेश से जुड़े ...

जोरहाट लोकसभा सीट से सांसद गोगोई ने आरोपों से इनकार किया है और शर्मा से जांच का ब्योरा तय समय से पहले सार्वजनिक करने का आग्रह किया है। हालांकि, उन्होंने 2013 में (उनके सांसद बनने से पहले) पाकिस्तान जाने की बात स्वीकार की है, जब उनकी पत्नी एलिजाबेथ जलवायु परिवर्तन पर काम करने वाले एक एनजीओ में वहां तैनात थीं। शर्मा ने कहा कि राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस या किसी अन्य पार्टी के साथ कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है क्योंकि कोई भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विकास कार्यों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति सद्भावना का मुकाबला नहीं कर सकता है। सीएम ने कहा कि राष्ट्रवाद, पहचान और विकास भाजपा के मुद्दे हैं। लेकिन दूसरी ओर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी (ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर) पाकिस्तान का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम के लोग जागरूक हैं और वे जानते हैं कि केवल भाजपा ही राज्य के स्वदेशी लोगों के हितों की रक्षा कर सकती है और वे बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई, *सत्रों* (वैष्णव मठों) से अवैध अतिक्रमणकारियों को बेदखल करने जैसी इसकी नीतियों का समर्थन करते हैं। शर्मा ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में असम सरकार ने अनिर्दिष्ट संख्या में संदिग्ध बांग्लादेशियों को पड़ोसी देश वापस भेजा है। उन्होंने कहा कि क्या किसी असमिया ने कभी सोचा होगा कि हम बांग्लादेशियों को वापस खदेड़ देंगे? मैं आपको बाद में संख्या बताऊंगा। पिछले एक महीने में हमने उनमें से कई लोगों को यह कहते हुए वापस खदेड़ दिया है कि वे यहां नहीं रह सकते। केवल भाजपा ही ऐसा कर सकती है क्योंकि हम जानते हैं कि असमिया लोग क्या चाहते हैं।

रास चुनाव : असम भाजपा...

मिशन रंजन दास, पूर्व केंद्रीय मंत्री, राजेन गोहाईं, असम राज्य बाल कल्याण आयोग की पूर्व अध्यक्ष, सुनीता चांगकाकोती, पूर्व प्रदेश महासचिव प्रदीप ठाकुरिया, पूर्व राज्य सचिव संजीब गोस्वामी, पूर्व राज्य उपाध्यक्ष दयानंद बोरगोहाईं, पूर्व प्रदेश महासचिव विजय कुमार गुप्ता, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महिला मोर्चा, मृदुला बरकाकोती, भाजपा सदस्य और असम गोरखा छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष, भास्कर दहल, राज्य सचिव कणाद पुरकायस्थ और पूर्व राज्य महासचिव विश्वरूप भट्टाचार्जी यहां भाजपा की राज्य चुनाव समिति की बैठक के दौरान उम्मीदवारों के नामों की सूची तैयार की गई, जिसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया और अन्य प्रमुख संगठनात्मक सदस्य शामिल हुए। असम को आवंटित दो राज्यसभा सीटों में से एक भाजपा के क्षेत्रीय सहयोगी असम गण परिषद (अगप) के लिए निर्धारित की गई है। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने 26 मई को घोषणा की थी कि असम में दो राज्यसभा सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव 1 जून को होंगे और इसके लिए नामांकन 9 जून, 2025 तक जमा किए जा सकेंगे। ये चुनाव असम से दो राज्यसभा सांसदों – मिशन रंजन दास (भाजपा) और बीरेंद्र प्रसाद वैश्य (अगप) – का कार्यकाल 14 जून, 2025 को समाप्त होने के मद्देनजर आयोजित किए जा रहे हैं। असम में उच्च सदन की सात सीटें हैं, जिनमें से छह एनडीए के पास हैं – भाजपा (4), अगप (1) और यूपीपीएल (1), जबकि एक सीट निर्दलीय के पास है।

साल 2027 में ...

गृह मंत्रालय के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के साथ हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के असमकालिक बर्फीले क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि 1 अक्तूबर, 2026 को 00.00 बजे होगी। जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार, उपरोक्त संदर्भ तिथियों के साथ जनगणना कराने के आशय की अधिसूचना संभवत: 16.06.2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी। भारत की जनगणना, जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के प्रावधानों के अंतर्गत की जाती है। भारत की पिछली जनगणना 2011 में दो चरणों में की गई थी, जिसमें- चरण-1 – मकान सूचीकरण (एचएलओ) (1 अप्रैल से 30 सितंबर 2010) और चरण-2 – जनगणना (पीई) (09 फरवरी से 28 फरवरी 2011) संदर्भ तिथि – मार्च 2011 के पहले दिन 00:00 बजे के साथ, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के बर्फ से ढंके असमकालिक क्षेत्रों के लिए यह 11 से 30 सितंबर 2010 के दौरान आयोजित की गई थी और संदर्भ तिथि अक्तूबर 2010 के पहले दिन 00.00 बजे थी।

एलन मस्क के पिता ...

उसके बाद सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी मंदिर में हनुमानजी का दर्शन-पूजन कर मत्था टेका। रामलला और हनुमानजी के दर्शन करने के बाद वह बहुत ही अभिभूत दिखे। दर्शन के बाद एरोल मस्क ने धर्मसम्राट महंत ज्ञानदास महाराज के उत्तराधिकारी एवं संकटमोचन सेना अध्यक्ष महंत संजय दास से मुलाकात की और उनसे आशीर्वाद लिया। महंत संजय महाराज ने एरोल मस्क को आशीर्वाद स्वरूप हनुमानजी महाराज की प्रतिमा और रामनामा भेंट किया।

आईएसआई ही रोक...

को शह देने का आरोप लगाती रही है। आईएसआई पर प्रॉक्सी आतंकवादी संगठन बनाकर कश्मीर और देश के अन्य हिस्सों में आतंकियों को भेजने का भी आरोप है। जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिद्दीन जैसे आतंकी संगठनों को आईएसआई से ही खाद पानी मिलता है। हालांकि, पाकिस्तान कभी भी इसे आधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं करता है। पहली बार बिलावल ने संकेत के जरिए यह बता दिया है कि पाकिस्तान से आतंकवाद को अगर खत्म करना है तो आईएसआई से ही बात करनी होगी। पहलगाम अटैक के बाद जब पूरी दुनिया में पाकिस्तान की किरकिरी हुई तो रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक्टिव हो गए। हालांकि, एक इंटरव्यू में आसिफ ने पाकिस्तान का सच कबूल लिया। स्काई न्यूज से बात करते हुए आसिफ ने कहा कि हां मेरे मुल्क ने 2 दशक तक आतंकवादियों को पाला है। इसका हमें काफी नुकसान हुआ है, लेकिन अमेरिका और ब्रिटेन के कहने पर हमने यह किया है। बिलावल भुट्टो पाकिस्तानी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल को लीड कर रहे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल का काम दुनिया भर के देशों के सामने भारत से शांति वार्ता की गुहार लगाना है। बिलावल सिंधु जल के मुद्दे पर भी दुनिया के देशों से मदद मांग रहे हैं। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को तोड़ दिया था। इस फैसले के बाद से पाकिस्तान को सिंधु नदी का जल नहीं मिल रहा है।

बांग्लादेश की सीमा ...

संबंधित बीएसएफ जवान का नाम श्री गणेश है। यह घटना बांग्लादेश के सदर उपजिला के नारायणपुर यूनियन के सात रशिया गांव में बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे हुई। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि सुबह बकरी का पीछा करते हुए दो बीएसएफ जवान जीरो लाइन पार कर बांग्लादेश की सीमा में घुस गए। उन्होंने एक बांग्लादेशी को पकड़ने की भी कोशिश की। इसके बाद स्थानीय ग्रामीण इकट्ठा हो गए और एक बीएसएफ जवान को पकड़ लिया। जबकि दूसरा जवाब भाग गया। कथित तौर पर नागरिकों ने पकड़े गए बीएसएफ जवान की पिटाई की और उसे बीजीबी को सौंप दिया। स्थानीय लोगों द्वारा बनाया गया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। गिरफ्तारी की पुष्टि चांपाईनवाबगंज बटालियन 53 बीजीबी के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल फहद महमूद रिंकू ने की। संबंधित वार्ड यूपी सदस्य बेनजीर अली ने कहा कि स्थानीय लोगों ने एक बीएसएफ जवान को पकड़ा है। यह घटना पड़ोस के गांव में हुई। नारायणपुर यूनियन के अध्यक्ष मोहम्मद नजीर हुसैन ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि सात रशिया गांव सीमा की जीरो लाइन करीब है। इसलिए बांग्लादेशी बकरियां जीरो लाइन के पास जाकर घास खाती हैं। इस वजह से बीएसएफ जवान बकरी को पकड़ने आए और बांग्लादेश की सीमा में प्रवेश कर गए। उस समय स्थानीय लोगों ने उसे केले के पेड़ से बांध दिया। बाद में उसे बीजीबी को सौंप दिया गया। उसके साथ मौजूद एक अन्य बीएसएफ जवान भाग निकला। इस संबंध में बीएसएफ ने बताया कि भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र से एक चरवाहा भारतीय क्षेत्र में घुस आया था। उस समय ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ जवानों ने जब उसका पीछा किया तो 71वीं नूरपुर बटालियन का एक बीएसएफ जवान बांग्लादेश सीमा में घुस गया। भारतीय जवान को वहां बीजीबी ने गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, फ्लैग मीटिंग के जरिए 71वीं बटालियन के जवान को बीएसएफ के हवाले कर दिया गया है।

असम में बाढ़ की स्थिति...

प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की मंगलवार रात की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हैलाकांदी, श्रीभूमि, मोरीगांव, कछार, शोणितपुर और तिनसुकिया जिलों में छह और लोगों की जान चली गई और 21 जिलों में लगभग 6.5 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इस वर्ष बाढ़ और भूस्खलन में मरने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 17 हो गई है। एएसडीएमए के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह से ही निचले असम के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। बरपेटा, बंगाईगांव, नलबाड़ी, ग्वालपाड़ा और बक्सा के कई स्थान प्रभावित हुए हैं। कुल मिलाकर 21 जिलों के 69 राजस्व क्षेत्रों और 1,506 गांवों के 6,33,114 लोग बाढ़ से प्रभावित रहे। राज्य में बाढ़ प्रभावितों के लिए कुल 223 राहत शिविर संचालित हैं, जो 39,746 विस्थापित लोगों को आश्रय प्रदान कर रहे हैं, जबकि 288 राहत वितरण केंद्र भी चालू हैं।

धुबड़ी में बाढ़ के ...

सभी में जल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। धुबड़ी जिला आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारी मोफरजल सरकार ने पुष्टि की कि जिला प्रशासन की टीमों ने जल परिवहन विभाग के सहयोग से बाढ़ से संबंधित खतरों को कम करने के उद्देश्य से एहतियाती उपायों को लागू करने के लिए धुबड़ी के प्रमुख घाटों का दौरा किया। प्रशासन ने नदी मार्गों पर चलने वाली मशीनीकृत यात्री नौकाओं की सुरक्षा जांच शुरू कर दी है। संचालकों को निर्देश दिया गया है कि वे बाढ़ की स्थिति के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त जीवन रक्षक जैकेट और आपातकालीन उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित करें। एक चिंताजनक घटनाक्रम में, फकीरगंज पुलिस थाने के अंतर्गत ऐराकाटा बोसईमारी गांव से लापता 15 वर्षीय लड़के, अरिफुल इस्लाम मोल्ला, जो कक्षा 9 का छात्र है, की तलाश के लिए अभियान चलाया जा रहा है। बताया जाता है कि मोल्ला मंगलवार दोपहर को ब्रह्मपुत्र के बढ़ते पानी में गिर गया था और तब से उसका कोई पता नहीं चल पाया है। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें, फकीरगंज पुलिस और स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर लगातार खोज और बचाव अभियान चला रही हैं। हालांकि, बुधवार शाम तक लापता लड़के का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

संसद का मानसून ...

मामलों की समिति ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मानसून सत्र की तारीख पर मुहर लगाई। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में इसकी जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद कल भी विपक्षी आईएनडीआईए गठबंधन ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की मांग दुहराई।

ब्रह्मपुत्र के उत्तरी तट पर कोबोचापोरी में हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी की हुई पुष्टि : ऑयल इंडिया

गुवाहाटी। ऑयल इंडिया लिमिटेड ने ब्रह्मपुत्र के उत्तरी तट पर हाइड्रोकार्बन की उपस्थिति स्थापित कर ली है और इसकी व्यावसायिक व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए अध्ययन जारी है। अभी इसे खोज कहना उचित नहीं होगा, क्योंकि हमें एक प्रक्रिया का पालन करना होगा। लेकिन मैं यह बयान दे सकता हूँ कि हमारी रणनीति-संचालित खोज के आधार पर, हमने कोबोचापोरी नामक स्थान पर उत्तरी तट पर हाइड्रोकार्बन की उपस्थिति स्थापित की है। किसी चीज को खोज के रूप में परिभाषित करने के लिए, हमें वाणिज्यिक व्यवहार्यता स्थापित करने की आवश्यकता है, ऑयल के सीएमडी रंजीत रथ ने सोमवार शाम को एक बातचीत के दौरान प्रेस को बताया। जमाव और संरचना की संरचना का पता लगाने तथा उत्पादन की संभावना का पता लगाने के लिए भूकंपीय अध्ययन किए जा रहे हैं। रथ ने कहा कि हम अतिरिक्त कुओं की खुदाई की योजना बना रहे हैं, ताकि इसकी संख्या के संबंध में वास्तविक क्षमता का पता लगाया जा सके। हमने पहले ही विश्वनाथ चारियाली-मंगलदाई क्षेत्र से भूकंपीय डेटा प्राप्त कर लिया है और इसे पुन: संसाधित कर रहे हैं। बेल्ट की संभावनाओं का अध्ययन किया जा रहा है। यह उल्लेख करते हुए कि असम शेल्फ बेसिन श्रेणी 1 बेसिन है और *सर्वश्रेष्ठ में से एक* है, रथ ने कहा कि ओआईएल इस क्षेत्र में *बहुत सारे अवसर* देखता है। उन्होंने कहा कि तेल पीएसयू ऊपरी असम के मौजूदा डेटा को *पुन: संसाधित* करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने कहा कि इसमें काफी समय लगेगा। नए अध्ययन करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार को नियुक्त किया गया है। सीएमडी ने कहा कि पिछले दो वर्षों के दौरान 40 से अधिक भूवैज्ञानिक और भूभौतिकीय अध्ययन किए गए और 90 से अधिक संभावित स्थानों (ऊपरी असम) की पहचान की गई है, जो ड्रिलिंग के योग्य हैं। हमें उम्मीद है कि हम ऐसे और नए अवसरों की पहचान कर पाएंगे। जरूरत पड़ने पर भूकंपीय अध्ययन का एक और दौर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ओआईएल ऊपरी असम में ड्रिलिंग को विशेष गहराई तक सीमित नहीं कर रहा है। हम पुराने और परिपक्व क्षेत्रों से अधिक तेल उत्पादन करने की कोशिश कर रहे हैं। पहले, हम 3, 500 मीटर की ड्रिलिंग कर रहे थे। उत्तरी तट पर हम 4, 500 मीटर तक गए। सदिया कुएं में, हमारा प्रयास 6, 500 मीटर था और यह दुनिया के इस हिस्से में किए गए सबसे गहरे कुओं में से एक है, उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि हालांकि, हम 5, 900 मीटर तक पहुंच पाए और हमें लगा कि हमें तैयार होकर आना होगा। हम वहां ड्रिलिंग रणनीति पर फिर से काम कर रहे हैं। हम न केवल नए स्थानों पर विचार कर रहे हैं, बल्कि हम गहराई में भी जा रहे हैं। पिछले वर्ष असम में लगभग 70 कुएं खोदे गए। भारत वर्तमान में लगभग 258 मिलियन मीट्रिक टन कच्चे तेल का प्रसंस्करण कर रहा है, जिसमें से आयात का हिस्सा 88 प्रतिशत है। 2040 तक, भारत ने 400 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक प्रसंस्करण का लक्ष्य रखा है। ऑयल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 (एफवाई25) के दौरान 6.71 एमएमटीओका अपना अब तक का सबसे अधिक संयुक्त तेल और गैस उत्पादन हासिल किया। एफवाई25 के लिए कच्चे तेल का उत्पादन 2.95 प्रतिशत बढ़कर 3.458 एमएमटी हो गया और प्राकृतिक गैस का उत्पादन 2.20 प्रतिशत बढ़कर 3.252 बीसीएम हो गया, जो कंपनी द्वारा अपनी स्थापना के बाद से अब तक हासिल किया गया सबसे अधिक उत्पादन है। कंपनी ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए कर पश्चात लाभ 10.13 प्रतिशत बढ़कर 6, 114.19 करोड़ रुपये दर्ज किया।

काजीरंगा में बाढ़ की स्थिति स्थिर पानी कम होने से सुरक्षा उपाय सक्रिय

गुवाहाटी। असम में इस वर्ष पहली बार बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने के बीच काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व के अधिकारियों ने कहा है कि यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में स्थिति नियंत्रण में है। डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर (डीएफओ) अरुण विग्नेश ने बुधवार को असम ट्रिब्यून को बताया कि पानी का स्तर घट रहा है और स्थिति नियंत्रण में है। जानवर सुरक्षित हैं, इसलिए अभी चिंता की कोई बात नहीं है। अधिकारियों ने आगे बताया कि वन कर्मचारी सतर्क हैं और निवारक उपाय पहले से ही लागू हैं। बागोरी रेंज अधिकारी बिबित दिहिंगिया ने कहा कि यह सिर्फ पहली लहर है। हम अगली लहरों के लिए तैयारी कर रहे हैं, लेकिन विभाग ने जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पहले ही कई उपाय शुरू कर दिए हैं। पार्क के भीतर ऊंचे इलाके सुरक्षित क्षेत्र के रूप में काम करते रहेंगे। यह राष्ट्रीय उद्यान, प्रतिष्ठित एक सींग वाले गैंडों सहित वन्यजीवों की घनी आबादी का घर है, जो हर साल बाढ़ के गंभीर प्रभाव को झेलता है और 2024 में, 10 एक सींग वाले गैंडों सहित 174 जानवरों की मौत दर्ज की गई। अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यान पर वार्षिक बाढ़ के प्रभाव को रोकने के लिए उचित व्यवस्था की गई है। आपातकालीन स्थितियों के दौरान गतिशीलता और त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अभयारण्य के सभी वन शिविरों में देशी नौकाएं तैनात की गई हैं। प्रत्याशित चुनौतियों से निपटने के लिए, राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर एक काफिला प्रणाली लागू की जाएगी, जो महत्वपूर्ण पशु गलियारों के करीब से गुजरती है। इस प्रणाली का उद्देश्य यातायात को विनियमित करना तथा कार्बी आंगलोंग पहाड़ियों में वन्यजीवों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है। एक वन अधिकारी ने कहा कि इसे सुरक्षित रूप से लागू करने के लिए हम पुलिस बलों, नागरिक सुरक्षा कर्मियों और गैर सरकारी कार्यकर्ताओं से सहायता प्राप्त करेंगे। डीएफओ अरुण ने कहा कि राज्य सरकार ने चल रहे प्रयासों का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया है। हम तैयार हैं। विभाग को अतिरिक्त जनशक्ति के साथ सुदृढ़ किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हम स्थिति के किसी भी बिगड़ने के लिए तैयार हैं, उन्होंने कहा कि इस बीच, विश्वनाथ जिले में प्रशासन ने एनएच-15 पर विश्वनाथ से मोनाबारी तक जाने वाले वाहनों के लिए 40 किमी/घंटा की गति सीमा तय कर दी है। यह उपाय ऊंचे स्थानों और आश्रय की तलाश करने वाले जानवरों को बढ़ते बाढ़ के पानी से बचाने के लिए किया गया है। हालांकि, वन अधिकारियों ने कहा कि यह मानसून सीजन की शुरुआत मात्र है।

एजेपी ने असम भूमि नीति संशोधन का किया विरोध किया

गुवाहाटी। असम जातीय परिषद (एजेपी) ने बुधवार को असम के 139 साल पुराने भूमि और राजस्व कानूनों में प्रस्तावित संशोधनों का कड़ा विरोध करते हुए चेतावनी दी कि इन बदलावों से राज्य भर के स्वदेशी समुदायों के भूमि अधिकार कमजोर हो सकते हैं। जू रोड स्थित पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एजेपी के उपाध्यक्ष और असम के पूर्व मुख्य सचिव चंद्रकांत दास ने पर्याप्त सार्वजनिक परामर्श के बिना नई भूमि नीतियों का मसौदा तैयार करने के लिए भूमि प्रशासन आयोग गठित करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। औपचारिक रूप से अपना विरोध दर्ज कराने के लिए पार्टी ने भूमि प्रशासन आयोग के अध्यक्ष को एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें *असम के स्वदेशी समुदायों के हित में* प्रस्तावित संशोधनों की व्यापक समीक्षा का आग्रह किया गया। दास ने आरोप लगाया कि सरकार ने 9 मई को एक समाचार पत्र के अस्पष्ट भाग में चुपचाप एक सार्वजनिक नोटिस प्रकाशित करके सार्वजनिक जांच को दरकिनार करने का प्रयास किया, जिससे इस प्रक्रिया में नागरिकों की भागीदारी सीमित हो गई। एजेपी द्वारा उठाई गई एक प्रमुख चिंता यह है कि प्रस्तावित संशोधनों से आदिवासी बेल्टों और ब्लॉक क्षेत्रों में भूमि की बिक्री और खरीद के खिलाफ कानूनी सुरक्षा समाप्त हो सकती है-जो सुरक्षा हाशिए पर पड़े समुदायों के बीच भूमि स्वामित्व की रक्षा के लिए बनाई गई थी। दास ने चेतावनी देते हुए कहा कि बाहरी लोग पहले से ही इन संरक्षित क्षेत्रों में आदिवासी नामों के तहत जमीन हासिल कर रहे हैं। एक बार जब ये बेल्ट खत्म हो जाएंगे, तो जमीन के नामांतरण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और स्वदेशी लोग अपनी पैतृक जमीनों पर अपना अधिकार खो देंगे। पार्टी ने मांग की है कि सरकार स्पष्ट रूप से बताए कि मौजूदा कानूनों की किन धाराओं में संशोधन किया जाना है तथा उचित समीक्षा और सार्वजनिक इनपुट के लिए परामर्श अवधि को वर्तमान एक महीने से बढ़ाकर कम से कम तीन महीने किया जाए। उन्होंने कहा कि असम पहले से ही भूमि संकट का सामना कर रहा है। हमें खुद से पूछना चाहिए कि हमारी प्राथमिकता क्या होनी चाहिए-बड़े पैमाने पर भूमि पर कब्जा करने वाले उद्योगों को लाना या हमारे लोगों की आजीविका की रक्षा करना? एजेपी ने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी मसौदा विधेयक को व्यापक सहमति से तैयार किया जाना चाहिए और उसमें लोगों की सामूहिक इच्छा प्रतिबिंबित होनी चाहिए। जगीरोड में प्रस्तावित सेमीकंडक्टर परीक्षण और संयोजन संयंत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए दास ने परियोजना की आलोचना करते हुए कहा कि इसका दायरा सीमित है तथा असम की विकास आवश्यकताओं के लिए इसकी प्रासंगिकता पर सवाल उठाया।

धनसिरी पांचनै और ब्रह्मपुत्र की बाढ़ से ओरांग नेशनल पार्क में भयावह स्थिति

ओरांग (हिंस)। असम के ओरांग राष्ट्रीय उद्यान में इन दिनों गंभीर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। धनसिरी पांच नै और ब्रह्मपुत्र में अचानक जलस्तर बढ़ने से पार्क का लगभग 40 फीसदी हिस्सा जलमग्न हो चुका है। उद्यान के दक्षिणी हिस्से में ब्रह्मपुत्र, धनसिरी पांच नै नदियों का पानी घुसने से वन्य जीवों पर खतरा मंडराने लगा है। हालांकि, अनेक जानवर सुरक्षित ऊंचे स्थानों की ओर चले गए हैं, फिर भी हालात बेहद चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। बाढ़ की सबसे अधिक मार पार्क के 12 कैंपों पर पड़ी है, जिनमें खयराछाली और बाली कैंप में तो पानी की गहराई सात फुट तक पहुंच गई है। इन विकट परिस्थितियों में भी वन विभाग के कर्मी नाव के सहारे लगातार गश्त कर रहे हैं ताकि एक सींग वाले गैंडे समेत अन्य जानवरों को शिकारी तत्वों से बचाया जा सके। जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम से ही धनसिरी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा, जिससे पूर्वी हिस्से के कई कैंपों में अचानक पानी भर गया। उद्यान प्रशासन के अनुसार, स्थिति पर नजर रखी जा रही है और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

दुग्ध क्षेत्र पर विशेष ध्यान : राज्यपाल ने सहकारिता, पशुपालन विभाग और वामुल संग की बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। बुधवार को राजभवन में राज्य के दुग्ध क्षेत्र को सशक्त बनाने को लेकर विशेष चर्चा की गई। इसकी अध्यक्षता प्रदेश के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने की। सत्र में सहकारिता विभाग, पशुपालन और पशु चिकित्सा विभाग तथा वेस्ट असम मिल्क प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड (वामुल) के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। राज्यपाल ने सहकारी आंदोलन से ग्रामीण बेरोजगारी को दूर करने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, सहकारिताएं ग्रामीण समुदायों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का सशक्त माध्यम बन सकती हैं, खासकर जब युवाओं को सहकारी मॉडल के जरिये प्रशिक्षित और सशक्त किया जाए। उन्होंने 6 जुलाई 2021 को भारत सरकार द्वारा गठित सहकारिता मंत्रालय का उल्लेख करते

हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *सहकार से समृद्धि* के विजन की सराहना की। साथ ही, केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में किए गए नीतिगत प्रयासों से देशभर में सहकारी क्षेत्र के सशक्तिकरण को भी रेखांकित किया। राज्यपाल ने सहकारी आंदोलन को टिकाऊ और भविष्योन्मुखी बनाने में युवाओं की अहम भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि युवाओं को केंद्र में रखकर योजनाएं बनाना, पाठ्यक्रमों में सहकारिता की जानकारी देना और गतिशील नीतियां तैयार करना आज की आवश्यकता है। उन्होंने दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए हुए श्वेत क्रांति में सहकारिताओं की भूमिका को भी उजागर किया और कहा कि असम की सहकारी संस्थाएं उत्तर-पूर्व में दुग्ध उत्पादन की अगुआ बन सकती हैं। सत्र के दौरान संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मौजूदा संभावनाओं और सहयोग की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव कल्याण चक्रवर्ती, सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार नारायण कोंवर, राज्यपाल के ओएसडी प्रो. बेचन लाल, आयुक्त एवं सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम्, पशुपालन विभाग के सचिव डॉ. सदनेक सिंह, वामुल के एमडी एसके परिदा सहित डेयरी क्षेत्र के प्रगतिशील किसान, उद्यमी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

युवक की हत्या कर दफनाने का आरोपी जीतन गोगोई गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। असम के खुमटाई इलाके के आठुकड़ा चौराहे के पास स्थित चुलाइ घाटी में एक युवक की हत्या कर उसे दफनाने के मामले में मुख्य आरोपी जीतन गोगोई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला 28 अप्रैल को सामने आया था, जब यह संदेह गहराया कि चुलाइ घाटी के मालिक मिनाई गोगोई और उनके परिवार ने कांछा नामक युवक की हत्या कर शव को जमीन में गाड़ दिया। खुमटाई पुलिस ने बीती रात बोकाखात इलाके से जीतन गोगोई को हिरासत में लिया। हत्या का मामला उजागर होने के बाद से ही आरोपी परिवार फरार था। दिलचस्प बात यह है कि मीडिया के सामने जीतन गोगोई ने हत्या के आरोपों से इनकार किया है। उसका दावा है कि संबंधित युवक की मौत बीमारी के कारण हुई थी। फिलहाल पुलिस ने आरोपी जीतन को न्यायिक हिरासत में भेजने की जानकारी दी है। मामले की जांच जारी है।

मुख्यमंत्री करेंगे लवलीना बॉक्सिंग एकेडमी का उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। ओलंपिक पदक विजेता और असम की गौरवशाली बेटी लवलीना बरगोहाईं की बहुप्रतीक्षित *लवलीना बॉक्सिंग एकेडमी* का 5 जून को विधिवत उद्घाटन होगा। इस एकेडमी का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा करेंगे। उद्घाटन समारोह को लेकर लवलीना बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि आज मेरा सपना साकार हो रहा है। यह एकेडमी असम और भारत के उभरते मुक्केबाजों के लिए एक नया अध्याय साबित होगी। यह एकेडमी असम सरकार की खेल विकास पहल का हिस्सा है, जिसमें आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं, अनुभवी कोच और खिलाड़ी विकास कार्यक्रम शामिल होंगे।

डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति ने 200 सफाई कर्मियों के मेधावी बच्चों को किया सम्मानित

गुवाहाटी (हिंस)। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति और बाल्मीकि संगीत विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में गुवाहाटी के भरलुमुख स्थित आलोक भवन के मधुकर लिमये प्रेक्षागृह में सफाई कर्मियों के मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। बुधवार को इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के असम प्रांत के प्रांत प्रचारक बशिष्ठ बुजरबरुवा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, हम चाहे कितने भी सफल क्यों न हो जाएं, हमें अपने समाज को कभी नहीं भूलना चाहिए। जब हम समाज को भूलते हैं, तो खुद को भी खोने लगते हैं। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, हमें पढ़-लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर या व्यापारी तो बनना ही चाहिए, लेकिन साथ ही हमें अपने समाज को सुधारने,

उसे स्वावलंबी बनाने और सभी को साथ लेकर चलने का काम भी करना होगा। बुजरबरुवा ने डॉ. भीमराव अंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा कि अंबेडकर एक महान विद्वान थे, जिन्होंने हिंदू समाज को संगठित करने के लिए सतत प्रयास किया। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन या शास्त्रों में कहीं भी अस्पृश्यता या भेदभाव का उल्लेख नहीं है, यह समाज के कुछ लोगों की बनाई हुई बातें हैं। डॉ. अंबेडकर ने जीवन भर हिंदू समाज की एकता के लिए काम किया और कभी भी किसी लोभ में आकर धर्म परिवर्तन नहीं किया।कहा कि अंबेडकर ने कम्युनिज्म का विरोध करते हुए स्पष्ट कहा था कि जब तक मैं जीवित हूं, तब तक अनुसूचित जाति के किसी भी व्यक्ति को कम्युनिज्म के प्रभाव में नहीं आने दूंगा। क्षेत्र प्रचारक ने कहा कि हमें अंबेडकर की सोच को अपनाना चाहिए और भारत माता को विश्वगुरु बनाने के लिए कार्य करना चाहिए। इस वर्ष हाईस्कूल और उच्च माध्यमिक परीक्षाओं में सफल 200 से अधिक छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, तुलसी पौधा और गामोछा प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं द्वारा प्रस्तुत भव्य बरगीत के साथ हुई। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के असम प्रांत के प्रांत कार्यवाह खगेन सैकिया, महानगर संघचालक गुरु प्रसाद मेधी, सर्व शिक्षा मिशन की मीडिया अधिकारी दीपा बासफोर, अखिल असम सफाई कर्मचारी प्रमुख बैद्यनाथ बासफोर समेत लगभग 300 लोग उपस्थित रहे।

गोसाईगांव के नंबर एक दावागुड़ी में युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

कोकराझार (हिंस)। गोसाईगांव उपमंडल के शिमुलटापू पुलिस चौकी अंतर्गत नंबर एक दावागुड़ी गांव में आज सुबह एक युवक का शव नदी से बरामद किया गया। मृतक की पहचान गांव के ही निवासी गजेंद्र राय के पुत्र गोबिंद राय (35) के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव से होकर बहने वाली बुड़ाचारा नदी में स्थानीय लोगों ने सुबह पानी में एक शव को तैरते हुए देखा। इसके बाद ग्रामीणों ने एक-दूसरे को खबर दी और तुरंत शिमुलटापू पुलिस को सूचित किया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर स्थानीय लोगों की मदद से उसकी पहचान की और शव को थाने ले जाया गया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक की मौत पानी में डूबने से हुई है या किसी ने उसकी हत्या कर शव को नदी में फेंक दिया है। हालांकि, मृतक के परिजन और गांव के कुछ लोग इस घटना को हत्या मानकर संदेह जता रहे हैं। इधर, खबर मिलते ही आक्रासू के केंद्रीय सचिव सुनाधर राय मौके पर पहुंचे और युवक की असमय मृत्यु पर दुख जताया। उन्होंने प्रशासन से घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की। सचिव राय ने बताया कि युवक अपने पीछे दो छोटे बच्चे छोड़ गए हैं। उसका परिवार पूरी तरह से असहाय हो गया है। उन्होंने सरकार से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की। गौरतलब है कि युवक बीते कल शाम से ही लापता था।

295.5 ग्राम हेरोइन समेत दो ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल 2 शातिर ड्रग्स तस्करों को आज गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि एक खुफिया सूचना के आधार पर आज सुबह वशिष्ठ पुलिस की टीम द्वारा ओसी इंस्पेक्टर कपिल पाठक के नेतृत्व में लालमाटी, एनएच-27 पर नाका चेकिंग चलाया गया। शिलांग की ओर से गुवाहाटी की और जा रहे एक ट्रक (एएस-01एलसी-1253) से तलाशी के दौरान 22 साबुनदानी में संदिग्ध हेरोइन बरामद किया गया। बरामद हेरोइन का वजन साबुनदानी के बिना 295.5 ग्राम ग्राम आका गया है। पुलिस ने अभियान के दौरान दो मोबाइल हैंडसेट बरामद किया गया। इस मामले में पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

मालीगांव हिलटॉप कॉलोनी पर भूस्खलन की आशंका

स्थानीय लोगों ने की प्रशासन से कार्रवाई की मांग

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के मालीगांव इलाके के हिलटॉप कॉलोनी में किसी भी समय भूस्खलन की घटना हो सकती है, ऐसी आशंका जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लगातार बारिश होती है, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, नीलाचल पहाड़ी की ढलान पर स्थित हिलटॉप कॉलोनी में एक विशाल पत्थर झूलती हुई अवस्था में देखा गया है, जो कभी भी नीचे गिर सकता है। यह दृश्य देखकर पूरे इलाके में डर और दहशत फैल गया है। संभावित खतरे को लेकर स्थानीय लोगों ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है और तत्काल आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। उनका आरोप है कि बार-बार निवेदन करने के बावजूद प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इस स्थिति में, इलाके के निवासी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और भूस्खलन की आशंका के कारण गहरी चिंता में हैं। प्रशासन से उनकी एक ही अपील है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जल्द से जल्द कदम उठाए जाएं ताकि किसी प्रकार की जनहानि या नुकसान से बचा जा सके। स्थानीय लोगों में आक्रोश और भय लगातार बढ़ रहा है और लगातार बारिश की आशंका में हालात और भी भयावह हो सकते हैं।

महेश नवमी के दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ रुद्राभिषेक से किया गया

गुवाहाटी। माहेश्वरी सभा गुवाहाटी द्वारा 5158 वां महेश वंशोत्पति दिवस के उपलक्ष्य में आसाम महेश्वरी भवन छत्रीबाडी प्रांगण में दो दिवसीय महेश नवमी उत्सव का शुभारंभ महेश पूजन व रुद्राभिषेक से किया गया। इस अवसर पर गौहाटी गौशाला में गो पूजन करके गो सवामणी भी की गई। इससे पहले पंडित दिनेश ओझा के आचार्यत्व में मुख्य यजमान सपत्नी गोविंद तोषनीवाल के अलावा भवानी शंकर राठी, कमल सोनी, संतोष तापड़िया, मनीष राठी, मनोज करनानी, विक्रांत साबू, पवन चांडक, देवकिशन भट्टर, पवन सोमानी, शिवरतन सोनी, श्रीनिवास जाजू , बृजमोहन राठी, विजय बजाज, गिरधारी लाल झंवर एवं समाज के सभी वर्ग ने रुद्राभिषेक करके महाआरती की।

माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष सीताराम बिहानी ने सभी को महेश नवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सामाजिक एकता व चेतना को विकसित करने के लिए महेश नवमी का यह पर्व माहेश्वरी बांधुवों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इस अवसर पर माहेश्वरी सभा के सचिव सुरेंद्र लाहोटी व कोषाध्यक्ष राजेश बाहेती, माहेश्वरी महिला समिति की अध्यक्ष वर्षा सोमानी व मंत्री पुष्पा सोनी, माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष शिव रतन सोनी व सह सचिव रौनक लड्ढा एवं आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक दीनदयाल मुंदडा, रमेश तापड़िया सह संयोजक नारायण गट्टानी और अशोक सोमानी ने सारी व्यवस्था संभाल रखी थी। मंत्री सुरेंद्र लाहोटी ने बताया कि महेश नवमी का समापन कार्यक्रम 7 जून को माछखोवा आईटीए सेंटर में आयोजित किया जाएगा। जिसमें प्रतिभा सम्मान व सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रवीण सोमानी, सम्मानित अतिथि के रूप में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्वांचल कैलाश काबरा और विशिष्ठ अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाज सेवक हरिश चांडक उपस्थित रहेंगे।

संपादकीय

जीवन बदले साक्षरता

निस्संदेह भारत की साक्षरता का प्रतिशत करीब 81 फीसदी होना एक सराहनीय उपलब्धि व मील का पत्थर ही है। देश की आजादी के वक्त की साक्षरता स्थिति से इसकी तुलना करें तो इसे उपलब्धि की तौर पर देखा जाना चाहिए। किसी समाज में साक्षरता का स्तर उसकी प्रगति का आईना ही होता है। ये आंकड़े हमारे समाज की शिक्षा तक पहुंच में निरंतरता का पर्याय भी हैं। हालांकि, 2023-24 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी पीएलएफएस के आंकड़ों से यह भी उजागर होता है कि सार्वभौमिक साक्षरता की ओर राष्ट्र का यह कदम निरंतर कई असमानताओं से भी बाधित है। खासतौर पर यह भेद लिंग और क्षेत्रीय आधार पर नजर आता है। उदाहरण के लिए देखें तो शहरी क्षेत्रों में साक्षरता की दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जिसका मुख्य कारण शहर केंद्रित विकास को तरजीह व शिक्षा के लिये अनुकूल परिस्थितियों का होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी भारत में साक्षरता की दर 88.9 है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह 77.5 फीसदी ही हो पायी है। निश्चित रूप से विभिन्न राज्यों में प्रतिध्वनित यह शहरी व ग्रामीण साक्षरता का अंतर शिक्षा के बुनियादी ढांचे, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता और सीखने के अवसरों में असमानता को ही दर्शाता है। कमोबेश इसी प्रकार देश के विभिन्न राज्यों में लैंगिक असमानताएं भी नजर आती हैं। यह विडंबना की कही जाएगी कि कई राज्यों में लड़कियों की शिक्षा पर दशकों से नीतिगत स्तर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद पुरुष साक्षरता महिला साक्षरता के मुकाबले कहीं आगे नजर आती है। निश्चित रूप से इसके मूल में सामाजिक रूढ़ियां, सामाजिक चेतना का अभाव व आर्थिक विकास की विसंगतियां निहित हैं। जिसके चलते लड़कियों को शिक्षा के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के बीच स्कूलों की दूरी और आवागमन की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध न हो पाना भी महिला शिक्षा के प्रतिशत में गिरावट का कारक बनती है। इन तमाम कारणों को नये सिरे से संबोधित करने की जरूरत है। लेकिन वहीं कुछ राज्यों में लक्ष्यों पर केंद्रित अभियानों व शासन-प्रशासन की सक्रियता के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। लक्षद्वीप, दिल्ली, तमिलनाडु और त्रिपुरा के परिणाम दर्शाते हैं कि जब शासन की सक्रियता, लोगों की पहुंच और सामुदायिक जुड़ाव एक साथ आते हैं तो कुछ भी संभव है। दरअसल, आर्थिक विसंगतियों से जूझते व सामाजिक व आर्थिक सुधारों को अमल में न ला सकने वाले राज्य साक्षरता के लक्ष्य राष्ट्रीय अनुपात में नहीं प्राप्त कर सके। सबसे कम साक्षरता दर वाले बिहार की स्थिति गरीबी, अपर्याप्त स्कूली शिक्षा, सांस्कृतिक कारकों व शिक्षा की राह में बाधा डालने वाली सामाजिक बाधाओं के जटिल अंतर्संबंध को रेखांकित करती है। यहां इन उत्साहजनक आंकड़ों के बावजूद कई सवाल हमारे सामने पैदा होते हैं। प्रश्न यह भी है कि हम किस तरह की साक्षरता विकसित कर रहे हैं? क्या शिक्षा की गुणवत्ता इस स्तर की है कि वो लोगों के जीवन में व्यापक बदलावों का कारक बन सके? बात सिर्फ आंकड़ों की नहीं है पड़ताल इस बात की भी की जानी चाहिए कि साक्षरता क्या वास्तव में प्रगतिशील सोच, नागरिक दायित्वों और आर्थिक जीवन में सार्थक रूप से भाग लेने की क्षमता विकसित करती है? इन हालिया आंकड़ों में जो शामिल नहीं हो सके हैं, खासकर हाशिये पर गए समुदाय, उन्हें साक्षरता की सफलता से जोड़ना हमारा प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि स्कूली शिक्षा गुणवत्तापूर्ण हो, शिक्षकों को पर्याप्त प्रशिक्षण मिले, उनकी डिजिटल शिक्षा तक भी पहुंच हो तथा शिक्षा में निवेश बढ़ाया जाये। आवश्यकता यह भी है कि नई शिक्षा नीति के ही अनुरूप प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में दी जाए। इसके साथ यह भी जरूरी है कि वयस्क साक्षरता अभियानों को प्राथमिकता दी जाए। खासकर आर्थिक रूप से पिछड़े व संसाधनों के अभाव वाले राज्यों में। इस दिशा में हमारे प्रयास तभी सफल हो सकते हैं जब शासन-प्रशासन के प्रयासों के साथ सामुदायिक स्तर पर बड़ी कोशिश की जाए। जनजागरण और सूचना माध्यमों की रचनात्मक भूमिका साक्षरता अभियान के लक्ष्यों को हासिल करने में बदलावकारी साबित हो सकती है।

देश की आजादी के वक्त की साक्षरता स्थिति से इसकी तुलना करें तो इसे उपलब्धि की तौर पर देखा जाना चाहिए। किसी समाज में साक्षरता का स्तर उसकी प्रगति का आईना ही होता है। ये आंकड़े हमारे समाज की शिक्षा तक पहुंच में निरंतरता का पर्याय भी हैं। हालांकि, 2023-24 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी पीएलएफएस के आंकड़ों से यह भी उजागर होता है कि सार्वभौमिक साक्षरता की ओर राष्ट्र का यह कदम निरंतर कई असमानताओं से भी बाधित है। खासतौर पर यह भेद लिंग और क्षेत्रीय आधार पर नजर आता है। उदाहरण के लिए देखें तो शहरी क्षेत्रों में साक्षरता की दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जिसका मुख्य कारण शहर केंद्रित विकास को तरजीह व शिक्षा के लिये अनुकूल परिस्थितियों का होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी भारत में साक्षरता की दर 88 .9 है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह 77 .5 फीसदी ही हो पायी है। निश्चित रूप से विभिन्न राज्यों में प्रतिध्वनित यह शहरी व ग्रामीण साक्षरता का अंतर शिक्षा के बुनियादी ढांचे, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता और सीखने के अवसरों में असमानता को ही दर्शाता है। कमोबेश इसी प्रकार देश के विभिन्न राज्यों में लैंगिक असमानताएं भी नजर आती हैं। यह विडंबना की कही जाएगी कि कई राज्यों में लड़कियों की शिक्षा पर दशकों से नीतिगत स्तर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद पुरुष साक्षरता महिला साक्षरता के मुकाबले कहीं आगे नजर आती है।

आप का नजरीया

एआई ड्रोन जंगी अस्त्र

यूक्रेन ने रूस के काफी भीतर उसके 5 एयरबेस और 41 बॉम्बर, लड़ाकू विमानों को तबाह कर दुनिया को चौंका दिया है। बल्कि विश्व स्तब्ध है कि यूक्रेन के पास ऐसी जंगी प्रौद्योगिकी भी है, जो 2000 किमी. से 6000 किमी. की दूरी तक सफल, असरदार, विध्वंसक हमला कर सकती है। जो देश अभी तक यूक्रेन की आर्थिक और सैन्य मदद करते रहे हैं, वे भी हैरान हैं और आत्ममंथन कर रहे हैं। रूस के ये बॉम्बर ऐसे थे, जो परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने में भी सक्षम थे। रूस ने इन्हीं विमानों के जरिए यूक्रेन के कई शहरों पर हवाई हमले किए थे और शहरों को खंडहर बना दिया था। यूक्रेन ने ऐसा घातक पलटवार कैसे किया, उसके ब्यौरे सामने आ चुके हैं। रूस की टीमें जांच-पड़ताल करने में जुटी हैं कि यूक्रेन के फस्र्ट पर्सन व्यू (एफपीवी) ड्रोन एयरबेसों तक कैसे पहुंचे और किसी को भी भनक तक नहीं लगी। रूस सोया रह गया और उसका पूरा तंत्र नाकाम रहा। रूस को करीब 60,000 करोड़ रुपए का नुकसान आंका जा रहा है। कुछ और आंकड़ों का भी विश्लेषण सामने आया है। रूस को अकल्पनीय, अप्रत्याशित नुकसान हुआ है, लेकिन वह अब भी महाशक्ति है और यूक्रेन पर इससे भी घातक और संहारक हमला करने की योजना बनाई जा रही है। अब राजधानी कीव भी राष्ट्रपति पुतिन के निशाने पर है। दरअसल यूक्रेन ने जो ड्रोन्स इस्तेमाल किए, उन्हें 'कृत्रिम बौद्धिकता' (एआई) से संचालित किया गया। यह वैज्ञानिक नवाचार यूक्रेन का ही है अथवा किसी देश ने उसे मुहैया कराया है, यह रहस्य फिलहाल नहीं खुल पाया है, लेकिन इतना लगता है कि इन ड्रोन्स को 'एआई एलगोरिथ्म' पर प्रशिक्षित किया गया होगा! एलगोरिथ्म कम्प्यूटर विज्ञान की भी एक अवधारणा है। यह किसी विशिष्ट कार्य को करने के लिए दिए गए निर्देशों की एक प्रक्रिया भी है, जिसने रूसी बॉम्बर विमानों की पहचान की और उन पर निर्णायक प्रहार कर उन्हें 'मिट्टी-मलबा' बना दिया। यूक्रेन के इस 'ऑपरेशन मकडज़ाल' ने स्पष्ट कर दिया है कि इस ड्रोन हमले ने युद्ध को बदल दिया है। हम किसी पक्ष की जीत या हार की भविष्यवाणी नहीं कर रहे, लेकिन यह एक भयानक सच है कि रूस-यूक्रेन युद्ध 3 साल 3 महीने से जारी है और यूक्रेन अभी पराजित होने की स्थिति में नहीं है। दोनों देशों के बीच समझौता-वार्ता हुई है, युद्धबंदियों को रिहा करने की बुनियादी सहमति बनी है, लेकिन युद्धविराम के लिए फिलहाल सहमति दूर-दूर तक नहीं दिखती। अब तो पृष्ठभूमि में ड्रोन हमला भी झलक रहा है। हालांकि रूस ने शुरुआत में दावा किया था कि युद्ध 7-10 दिन चलेगा और यूक्रेन पराजय स्वीकार कर लेगा। रूस पर यूक्रेन के इस हमले को 'पर्ल हॉर्बर' हमले के बराबर माना जा रहा है। अमरीका पर उस हमले के बाद ही जापान के हिरोशिमा-नागासाकी शहरों पर अमरीका ने एटम बम गिराए थे। विध्वंस का वह इतिहास सभी जानते हैं और अमरीका को द्वितीय विश्व युद्ध में उतरने को विवश किया गया था।

रूस ने कहा कि वह तभी युद्ध समाप्त करेगा अगर यूक्रेन नए बड़े क्षेत्र सौंपे और अपनी सेना के आकार पर सीमाएं स्वीकार करे

खतरनाक रूप लेता रूस – यूक्रेन युद्ध

संजय सिन्हा

रूसी एयरबेसों पर हुए भीषण ड्रोन हमले में यूक्रेन ने कम से कम 40 आधुनिक फाइटर जेट तबाह कर दिए थे जिससे रूस को बड़ा झटका लगा। अब, आगे बढ़ते हुए यूक्रेन ने ज़ापोरिझिया और खेरसॉन क्षेत्रों में बिजली ढांचों पर हमला कर दिया है जिससे 7 लाख से अधिक लोग अंधेरे में डूब गए हैं। रूसी अधिकारियों के मुताबिक यूक्रेनी ड्रोन और तोपों के जरिए किए गए हमलों में ज़ापोरिझिया और खेरसॉन क्षेत्रों के बिजली सबस्टेशनों को भारी नुकसान पहुंचा है। इस हमले के बाद कम से कम 700,000 लोग अंधेरे में जीने को मजबूर हैं जिससे अस्पताल, जलापूर्ति और मोबाइल नेटवर्क जैसी जरूरी सेवाएं भी बाधित हो गई। इन हमलों का सबसे गंभीर असर जापोरिझिया परमाणु संयंत्र पर पड़ा है। यह यूरोप का सबसे बड़ा न्यूक्लियर पावर प्लांट है और रूसी नियंत्रण में है।

युद्ध पर विराम लगता नहीं दिख रहा। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले तीन वर्षों से चल रहा युद्ध एक नई और खतरनाक करवट ले चुका है। इस्तांबुल वार्ता के कुछ ही घंटों बाद यूक्रेन ने अब रूसी कब्ज़े वाले इलाकों में गहरे और सामरिक रूप से संवेदनशील ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। चंद दिन पहले रूसी एयरबेसों पर हुए भीषण ड्रोन हमले में यूक्रेन ने कम से कम 40 आधुनिक फाइटर जेट तबाह कर दिए थे जिससे रूस को बड़ा झटका लगा। अब, आगे बढ़ते हुए यूक्रेन ने ज़ापोरिझिया और खेरसॉन क्षेत्रों में बिजली ढांचों पर हमला कर दिया है जिससे 7 लाख से अधिक लोग अंधेरे में डूब गए हैं। रूसी अधिकारियों के मुताबिक यूक्रेनी ड्रोन और तोपों के जरिए किए गए हमलों में ज़ापोरिझिया और खेरसॉन क्षेत्रों के बिजली सबस्टेशनों को भारी नुकसान पहुंचा है। इस हमले के बाद कम से कम 700,000 लोग अंधेरे में जीने को मजबूर हैं जिससे अस्पताल, जलापूर्ति और मोबाइल नेटवर्क जैसी जरूरी सेवाएं भी बाधित हो गईं। इन हमलों का सबसे गंभीर असर ज़ापोरिझिया परमाणु संयंत्र पर पड़ा है। यह यूरोप का सबसे बड़ा न्यूक्लियर पावर प्लांट है और रूसी नियंत्रण में है। रूसी परमाणु एजेंसी रोसएटम के प्रमुख अलेक्सी लिक्हाचेव ने कहा, "स्थिति नियंत्रण में है लेकिन बेहद जटिल है।" विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि अगर संयंत्र की बाहरी बिजली सप्लाई बाधित रहती है तो कूलिंग सिस्टम फेल हो सकता है और परमाणु रिसाव जैसी गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। इस हमले पर यूक्रेन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन पश्चिमी मीडिया के मुताबिक यह 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से रूसी कब्ज़े वाले इलाकों पर सबसे बड़ा हमला हो सकता है। गौर करने वाली बात यह है कि यह हमला तुर्की में हुई रूस-यूक्रेन वार्ता के चंद घंटों बाद ही हुआ। वार्ता में रूस ने कहा कि वह तभी युद्ध समाप्त करेगा अगर यूक्रेन नए बड़े क्षेत्र सौंपे और अपनी सेना के आकार पर सीमाएं स्वीकार करे। वहीं यूक्रेन ने इस मांग को 'औपनिवेशिक सोच से प्रेरित ज़मीनी कब्ज़ा' बताया और दो टूक कहा कि वह कूटनीति और सैन्य बल दोनों से अपनी जमीन वापस लेगा। एक साहसिक और अप्रत्याशित हमले में यूक्रेन के सैन्य बलों ने रूसी क्षेत्र के भीतर जाकर लगातार कई हमले किए और रूस के लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों या सामरिक बमबारी बेड़े को निशाना बनाया। रूस के अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि की है लेकिन यह नहीं बताया कि कितनी क्षति पहुंची है। रूस के सामरिक बमबारी बेड़े को हुई क्षति की भरपाई संभव नहीं है क्योंकि ये 1950 के दशक के हैं और इन्हें बनाने वाली इकाइयां बहुत पहले बंद हो चुकी हैं। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने दावा किया कि उसने एक तिहाई बेड़े को निशाना बनाया

है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदोमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस को करीब 7 अरब डॉलर मूल्य का नुकसान हुआ है परंतु जिस बात ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है और जो आने वाले महीनों और वर्षों तक सैन्य योजनाकारों और सामरिक विशेषज्ञों की चर्चा का विषय रहने वाली है, वह है इस हमले का तरीका। यूक्रेन ने यह हमला रेडियो नियंत्रित ड्रोन के माध्यम से किया। इन्हें सामान्य निर्माण सामग्री की तरह वाणिज्यिक कंटेनर ट्रकों में लादा गया और उसके बाद रूस में हवाई ठिकानों के आसपास के इलाकों में भेजा गया। एक खास समय पर इन सभी ड्रोन को उड़ाया गया और हवाई अड्डों पर खड़े विमानों को निशाना बनाया गया। यह पहला मौका नहीं है जब यूक्रेन ने नियमित वाणिज्यिक लॉजिस्टिक को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। खबरें बताती हैं कि 2022 में क्राइमिया द्वीप को रूस से जोड़ने वाले केर्च पुल पर हुए हमले, जिसने कई सप्ताह तक रूस के सैन्य यातायात को बाधित किया था और जो प्रतीकात्मक रूप से बहुत प्रभावी था, उसे भी प्लास्टिक ढोने वाले एक ट्रक की आड़ में अंजाम दिया गया था। विस्फोटकों को प्लास्टिक के ढेर में छिपाया गया था और इसे आर्मीनिया और जॉर्जिया से होते हुए क्रीमिया की ओर भेजा गया था। ऐसे ही तरीके इस्तेमाल करके करीब 120 ड्रोनों की मदद से ताजा हमला किया गया। ये ड्रोन बहुत महंगे या किसी खास गुणवत्ता के नहीं थे। लब्बोलुआब यह कि अपेक्षाकृत छोटा और मुश्किलों से जूझ रहा देश, जिसके पास अपनी मजबूत वायु सेना तक नहीं है, उसने आधुनिक लॉजिस्टिक्स और सस्ते ड्रोन की मदद से एक महाशक्ति के सामरिक बेड़े को क्षति पहुंचा दी जो उसके परमाणु प्रतिरोधक तंत्र का हिस्सा था। ड्रोन और वैश्वीकृत दुनिया में आपसी व्यापार संपर्क के इस मेल से सुरक्षा की दृष्टि से सर्वथा नई और अप्रत्याशित चुनौती उत्पन्न हुई है। भारत में इसे खासतौर पर महसूस किया जाएगा क्योंकि हमारे कई सामरिक क्षेत्र इस लिहाज से संवेदनशील हैं। इनमें कई तो प्रमुख औद्योगिक केंद्र भी हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की के मुताबिक यूक्रेन ने इस हमले की योजना 18 महीने पहले बनाई थी। जाहिर है यूक्रेन ने रूस में भी कुछ पकड़ बना रखी है. हालांकि उन्होंने दावा किया ऐसे सभी लोगों को पहले ही वापस बुला लिया गया है परंतु इस हमले की लागत की बात करें तो समय और संसाधन के मामले में इसमें ज्यादा खर्च नहीं आया। इस मामले में तो ये तरीके ऐसी सरकार ने आजमाए जो तीन साल से जंग में है परंतु ऐसी कोई वजह नहीं है कि छद्म युद्ध में लगे दूसरे गैर सरकारी तत्व इस तरीके को नहीं आजमाएंगे। भारत के योजनाकारों को अपनी सैन्य और अधोसंरचना संबंधी संवेदनशील स्थितियों का आकलन करते हुए ड्रोन की इस जंग जैसे हालात के लिए तैयार रहना होगा। इस तरह की जंग कतई आसान हो सकती है। कई गैर सरकारी तत्व 100-150 ड्रोन जुटा सकते हैं और उन्हें दूर से संचालित कर सकते हैं। बिना संदेह वाले ट्रक और वाणिज्यिक वाहनों का इस्तेमाल करके इन ड्रोन को हमले की जगह तक पहुंचाया जा सकता है। भारत पर किसी बड़े हमले के परिणाम, उस लागत के अनुपात में बहुत अधिक होंगे जो उस शत्रु ने सोची होगी। तो नए दौर के खतरों से अहम अधोसंरचना की रक्षा पर पुनर्विचार करने के सिवा कोई विकल्प नहीं है। शेयरों में तेजी आ गई है। इन शेयरों में तेजी की मुख्य वजह दुनिया भर में बढ़ते जियो-पॉलिटिकल तनाव हैं। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध ने हाल ही में फिर से भयानक रूप ले लिया है। 31 मई को रूस ने यूक्रेन पर युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया जिसमें 472 ड्रोन और 7 मिसाइल दागे गए। यूक्रेन ने दावा किया कि उसने 385 ड्रोन मार गिराए। इसके जवाब में, यूक्रेन ने 1 जून को इस्तांबुल में शांति वार्ता से ठीक एक दिन पहले रूस के सैन्य हवाई अड्डों पर बड़ा हमला किया। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, इस सरप्राइज ड्रोन अटैक में रूस के भीतरी इलाकों में तैनात 40 से ज्यादा लड़ाकू विमान नष्ट हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इसे "शानदार ऑपरेशन" बताते हुए कहा कि यह इतिहास में दर्ज होगा। दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है, लेकिन हालिया हिंसक घटनाओं ने आशंका जताई है कि युद्ध और भी भीषण रूप ले सकता है। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी IAEA ने आरोप लगाया है कि ईरान ने परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी समृद्ध यूरेनियम का उत्पादन बढ़ा दिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के पास अब 60% शुद्धता वाला 400 किलो से ज्यादा यूरेनियम है जो हथियार-ग्रेड सामग्री के लिए जरूरी 90% शुद्धता के करीब है।

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव

इससे ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने कई दौर की वार्ता के बाद ईरान को परमाणु समझौते का नया प्रस्ताव भेजा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया पर लिखा कि "ईरान इस प्रस्ताव का जवाब अपने राष्ट्रीय हितों और जनता के अधिकारों के अनुरूप देगा।"

देश दुनीया से

कैलाश पर्वत का सामरिक-पारिस्थितिक महत्त्व

विश्व के समस्त हिंदू समाज के लिए कैलाश पर्वत और कैलाश मानसरोवर यात्रा का विशेष महत्त्व है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार इस यात्रा से मानव को मोक्ष की प्राप्ति होती है, इसीलिए न केवल सामान्य जन अपितु ऋषि मुनि, तपस्वी, साधु संत कालांतर से कैलाश मानसरोवर क्षेत्र में साधना, अनंत की खोज और सृष्टि के रचयिता त्रिदेव में से एक शिव जिनका आवास यही पर्वत है मान कर इस अति दुर्गम और यानी अगम्य स्थल की ओर आकर्षित होते हैं। इस पर्वत से जुड़ी किंवदंतियों के साथ साथ, वैश्विक जलवायु परिवर्तन और मानव निर्मित आपदाओं, अवांछित विकास के चलते इस समस्त क्षेत्र की पर्यावरणीय, पारिस्थितिकी, जैव विविधता पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। हिमालय पर्वत श्रृंखला के महत्वपूर्ण अंग होने के साथ साथ, एशिया भूभाग के तीन चौथाई हिस्से के लिए जलापूर्ति का एकमेव साधन होने के कारण इसके समस्त पहलुओं पर चर्चा, चिंता और चिंतन के लिए विश्व पर्यावरण दिवस से अधिक उचित अवसर कोई और नहीं हो सकता।

कैलाश पर्वत का सामरिक, पर्यावरणीय और पारिस्थितिक महत्त्व अत्यंत महत्वपूर्ण और बहुआयामी है। यह पर्वत न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि भू-राजनीतिक और पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण से भी इसका विश्लेषण आवश्यक है!

भूगर्भीय संरचना एवं वैज्ञानिक महत्त्व : कैलाश पर्वत न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसका भू-भौगोलिक और भूगर्भीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्व है। यह पर्वत तिब्बत में स्थित है और इसे हिमालय पर्वतमाला की एक विशेष उपशृंखला माना जाता है। कैलाश पर्वत तिब्बत के दक्षिण-पश्चिम भाग में, गैरी जिले में स्थित यह पर्वत गंगोत्री हिमनद से लगभग 1000 किमी दूर है, जिसकी ऊंचाई लगभग 6638 मीटर (21778 फीट) है। कैलाश पर्वत का निर्माण टेथिस सागर के जमाव और प्लेट टेक्टोनिक क्रियाओं से हुआ। यह पर्वत भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के आपसी टकराव का परिणाम है, जो लगभग 5-10 करोड़ वर्ष पहले आरंभ हुआ। चट्टानें : कैलाश क्षेत्र में मुख्य रूप से सिडीमेंटरी चट्टानें पाई जाती हैं। इसमें चूना पत्थर और डोलोमाइट प्रमुख हैं। जबकि मुख्य पिरामिड आकृति वाली संरचना का आधार काली, गहरी चट्टानें जो पूर्णतया आग्नेय प्रकृति की हैं पर्वत की आकृति लगभग एक पिरामिड जैसी है, जो इसे भूवैज्ञानिक दृष्टिकोण से विशिष्ट बनाती है। कैलाश पर्वत की उत्पत्ति गोंडवाना भूभाग के उत्तरी प्रवास और टेथिस महासागर के अवसादन से जुड़ी है। इसका संबंध हिमालय की अपलिफ्ट प्रक्रिया से जुड़ा है, जो आज भी जारी है। यह क्षेत्र भूकंपीय रूप से सक्रिय है, क्योंकि यह टेक्टोनिक प्लेटों की सीमा पर स्थित है। यह पर्वत कांगरीनबोके पर्वत के रूप में जाना जाता है, जो गंगदीस पर्वत श्रृंखला का हिस्सा है। कैलाश पर्वत क्षेत्र इंडस-यारलुंग स्यूचर जोन में स्थित है, जो भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों की टक्कर का परिणाम है।

भौगोलिक स्थिति : कैलाश पर्वत तिब्बत (अब चीन के नियंत्रण में) के पश्चिमी भाग में स्थित है जो भारत, नेपाल और भूटान की सीमाओं के पास है। यह क्षेत्र भारत-चीन सीमा के समीप है और सामरिक रूप से बेहद संवेदनशील माने जाने वाले लिपुलेख दर्रा, डेमचोक सेक्टर और मानसरोवर झील के पास स्थित है।

पर्यावरणीय महत्त्व : हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र का अति संवेदनशील और महत्वपूर्ण अंग होने के कारण इसे हिमालयन क्षेत्र की जीवन रेखा भी कहा जाता है। कैलाश पर्वत हिमालय के अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिक क्षेत्र में आता है जहां की जलवायु, जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन अत्यंत नाजुक है। यह पर्वत चार प्रमुख नदियों- सिंधु, सतलुज, ब्रह्मपुत्र (यारलुंग त्संगपो) और करनाली (घाघरा) का उद्गम स्थल है जो दक्षिण एशिया के करोड़ों लोगों की जल आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। रहस्यमय ज्यामिति और अद्वितीय भौगोलिक स्थिति : कैलाश पर्वत की सममित, पिरामिड जैसी आकृति तथा विश्व भर के पवित्र स्थलों के साथ संरेखण ने लंबे समय से वैज्ञानिकों और भूगोलवेत्ताओं को आकर्षित किया है। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन में स्टोनहेंज से कैलाश पर्वत की दूरी ठीक 6666 किलोमीटर है, जो उत्तरी ध्रुव की दूरी के बराबर है। आश्चर्यजनक रूप से दक्षिणी ध्रुव की दूरी 13332 किलोमीटर है जो स्टोनहेंज या उत्तरी ध्रुव की दूरी से ठीक दोगुनी है। यह उत्तम ज्यामिति और संरेखण इसे पृथ्वी पर सबसे रहस्यमय स्थानों में से एक के रूप में प्रतिष्ठा दिलाता है।

कैलाश पर्वत एशिया की चार प्रमुख नदियों का स्रोत है:

सिंधु, ब्रह्मपुत्र, करनाली (गंगा की एक सहायक नदी) और सतलुज। ये नदियां पहाड़ से अलग-अलग दिशाओं में बहती हैं और एशिया भर में लाखों लोगों को आवश्यक जल और भोजन उपलब्ध कराती हैं।

कुछ अलग

बड़े साहब जी के चरणार्थ

आदरणीय सबसे बड़े साहब जी! जयहिंद! जैसे कि आपको पता ही है कि हम चार चपरासी पिछले बीस सालों से आपके दफ्तर के दरवाजे पर बैठ आपके लिए काम करवाने आने वालों से आपके कहेनुसार रेट वसूलते रहे हैं। हमसे रेट वसूलवाते पता नहीं आप जैसे कितने बड़े साहब आए और आकर चले गए। पर हम वहीं के वहीं रहे साहब जी! हे सबसे बड़े साहब जी! हमारे द्वारा वसूला रेट ऊपर तक जाता है, जैसा कि हमें बताया गया है। इसमें हमें कोई आपत्ति भी नहीं कि हमारे द्वारा जनता से वसूला रेट कहां जाता है? जहां जाता हो, वहां जाता रहे। अपना काम तो बस, काम करवाने आयों से आपके द्वारा तय रेट वसूलने के बाद ही उसे दफ्तर में प्रवेश करने की इजाजत देना है। और इस काम को पिछले बीस सालों से हम पूरी कत्र्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी से निभाते भी आ रहे हैं। हमने बिन रेट लिए आपके दफ्तर में आज तक किसी को घुसने नहीं दिया। चाहे वह यमराज ही क्यों न हो। लेकिन हमारी इस ईमानदारी और कत्र्तव्यनिष्ठा के बाद भी हम वहीं के वहीं बैठे हैं। उसी आपके दफ्तर के बाहर वाले स्टूल पर। और हमसे काम करवाने वाले पता नहीं कहां से कहां पहुंच गए। कसम बीवी बच्चों की बड़े साहब जी! हमने जो आज तक जनता से वसूले पैसों में से एक पैसा भी अपनी जेब में रखा हो। हम वो ईमानदार आपके दफ्तर के कर्मचारी हैं जो पाई पाई छोटे बाबू की हथेली में पांच बजने के तुरंत बाद पूरी ईमानदारी से जमा करवाते रहे हैं। हमारी आपके दफ्तर के कितने सीनियर हैं, इस बात का अंदाजा इसी बात से आसानी से लगाया जा सकता है बड़े साहब जी! बड़े साहब जी! हमें इस बात का बिल्कुल दुःख नहीं कि हम गलत काम करते हैं। वैसे भी सही काम यहां कौन कर रहा है? सभी तो अपने अपने हिसाब से जनता को खा ही रहे हैं। पैसे लेकर भी उसे उसकी फाइलों पर नचा ही रहे हैं। हर दफ्तर में जनता होती ही खाने को है, नचाने को है। बड़े साहब जी! हम चाहते तो नहीं थे कि हम आपसे गुहार लगाएं। आपको वसूले गए धन में से अपने हिस्से की व्यथा सुनाएं। पर क्या करें बड़े साहब जी! अब पानी सिर से ऊपर हो रहा है। इसलिए हम आपसे गुहार लगाते हैं कि जितना आपके कहने से हम काम करवाने आने वालों से वसूलते हैं, हमें अभी भी उसमें से उतना ही कमीशन मिल रहा है, जितना पंद्रह साल पहले मिला करता था। आपने अपने दफ्तर में काम करवाने आने वालों के रेट में तो कमरतोड़ इजाफा कर दिया है, पर हमें आपके लिए पैसे इक`् करने में से पंद्रह साल पहले वाला रेट ही मिल रहा है। उसमें से भी दो परसेंट छोटे बाबू मार जाते हैं।

दृष्टि कोण

भारतीय अर्थव्यवस्था कितनी उज्ज्वल?

ताजा खबरों के अनुसार भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि आज भारत की अर्थव्यवस्था जापान से बड़ी है। इसी कड़ी में आरबीआई ने अपनी ताजातरीन रिपोर्ट जारी करते हुए और इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता और टैरिफ वॉर के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ न सिर्फ खड़ी है बल्कि अप्रैल के महीने में औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की गति तेज रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अप्रैल 2025 के पूर्वानुमान का हवाला देते हुए आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था इस साल तेज रफ्तार से आगे बढ़ेगी और जापान को पछाड़ते हुए दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन सकती है। नीतिगत बदलावों की वजह से वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का रुझान सकारात्मक बना हुआ है। साथ ही रबी फसल की बंपर पैदावार और मॉनसून से सामान्य से अधिक रहने की वजह से ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोग में इजाफा दिख सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक व्यापार के बदलने और औद्योगिक नीतियों में बदलाव की वजह से भारत इन देशों के बीच कनेक्टर देश के तौर पर काम कर सकता है, खासकर प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाएं और फार्मास्युटिकल्स इनमें प्रमुख है। आगे चलकर, भले ही कई गंभीर चुनौतियां नजर आ रही हों, भारत वर्तमान वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

अनुमान है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगले छह से सात वर्षों में यानी 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी। भारतीय अर्थव्यवस्था का 7 फीसदी या उससे अधिक बढ़ना संभव है। हालांकि, इसने भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने चार चुनौतियां भी पेश की हैं। इनमें सेवा क्षेत्र के लिए एआई का खतरा, एनर्जी सिक्योरिटी और आर्थिक विकास के बीच समझौता और स्किल वर्कफोर्स की उपलब्धता शामिल है। सेवा क्षेत्र के रोजगार पर संभावित प्रभाव के कारण एआई का आगमन दुनिया भर की सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती है। यह भारत के लिए विशेष रुचि का विषय है क्योंकि सेवा क्षेत्र भारत की जीडीपी में 50 फीसदी से अधिक का योगदान देता है। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान तेज रहेगा और 7 फीसदी या उससे अधिक बढने की उम्मीद है। कुछ विश्लेषकों ने वित्त वर्ष 25 के दौरान भी इसी तरह की विकास गति का अनुमान लगाया है। महिला कार्य बल भागीदारी दर 2017-18 में 23.3 फीसदी से बढ़कर 2022-23 में 37 फीसदी हो गई, जो भारत में महिला नेतृत्व वाले विकास की दिशा में एक सकारात्मक बदलाव को दिखाती है। इस बीच शैक्षिक क्षेत्र, स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में सरकार द्वारा दशकीय सुधार किए गए, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स में सुधार, श्रम बल बाजार में लैंगिक समानता में सुधार, सरकार द्वारा पूंजीगत खर्च को बढ़ावा, बुनियादी ढांचे के विकास, राजकोषीय संतुलन को बनाए रखना, अर्थव्यवस्था का औपचारिकीकरण और जीएसटी सुधार, भुगतान का डिजिटलीकरण, दिवाला और दिवालियापन कोड में सुधार कुछ नीतिगत हस्तक्षेप हैं, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को विकास की गति बनाए रखने में मदद की है। हमें निवेश खर्च में वृद्धि, उत्पादकता में सुधार, स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार, अधिक नौकरियां पैदा करना और लैंगिक समानता में सुधार, कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि, व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखना, वैश्विक रुझानों का प्रबंधन, महिलाओं के लिए नए रोजगार के अवसरों का निर्माण और शासन में सुधार करना होगा, जिससे अगले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी। इस घोषणा के बाद जहां कुछ अर्थशास्त्रियों ने इसकी सराहना की, वहीं कई विशेषज्ञों ने इस दावे पर सवाल भी उठाए। हर बार जब इस तरह के आंकड़े सामने आते हैं, तो आम लोगों के मन में यह सवाल जरूर उठता है कि क्या इस आर्थिक तरक्की का असर उनकी रोजमर्रा की जिंदगी पर भी पड़ा है? अगर एक परिवार में एक व्यक्ति पांच लाख रुपए कमा रहा है और दूसरे परिवार में चार लोग मिलकर पांच लाख कमा रहे हैं, तो सिर्फ आमदनी देखकर यह कहना कि दोनों बराबर हैं, गलत होगा, क्योंकि एक परिवार में उस राशि से एक व्यक्ति का खर्च चल रहा है, जबकि दूसरे में चार लोगों का। इसी तरह, देशों की तुलना करते समय भी केवल जीडीपी के आंकड़ों से निष्कर्ष निकालना ठीक नहीं है।

पंजाब सरकार ने 95 फीसदी छोटे कारोबारियों को दी बड़ी राहत

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने 95 फीसदी छोटे कारोबारों पर लगने वाली शर्तों को कम करते हुए और कारोबार को सरल बनाने के उद्देश्य से पंजाब दुकान एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठान अधिनियम, 1958 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। इसके तहत20 कर्मचारियों वाले सभी संस्थान अब इस अधिनियम के सभी प्रावधानों से मुक्त होंगे। यह निर्णय बुधवार को मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में उनके सरकारी निवास पर हुई मंत्रि परिषद की बैठक में लिया गया। मंत्री परिषद की बैठक के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि इस प्रगतिशील संशोधन के अनुसार, 20 तक कर्मचारियों वाले सभी संस्थान अब इस अधिनियम के सभी प्रावधानों से मुक्त होंगे। इस कदम से पंजाबभर के लाखों दुकान मालिकों को सीधा लाभ मिलने की संभावना है। हालांकि, ऐसे संस्थानों को अपना कारोबार शुरू करने या इस अधिनियम के लागू होने के छह महीने के भीतर श्रम विभाग के पास संबंधित जानकारी देनी होगी। इस अधिनियम में कर्मचारियों की तनख्वाह में वृद्धि के लिए एक तिमाही में ओवरटाइम की स्वीकृत घंटों की सीमा 50 से बढ़ाकर 144 कर दी गई है। इसके अलावा, प्रतिदिन कामकाज का समय 10 घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे कर दिया गया है, जिसमें आराम का समय भी शामिल है। साथ ही, कर्मचारियों को प्रतिदिन 9 घंटे या सप्ताह में 48 घंटे से अधिक काम करने पर नियमित दर से दोगुनी दर पर भुगतान अनिवार्य होगा। सरकार के इस निर्णय से रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को भी सरल कर दिया गया है और अब 20 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले संस्थानों को आवेदन जमा करने के 24 घंटे के भीतर पंजीकरण की स्वीकृति स्वत: मानी जाएगी। इस संशोधन के तहत 20 कर्मचारियों तक वाले संस्थानों को केवल प्रारंभिक जानकारी देने की आवश्यकता होगी और उन्हें रजिस्टर रखने की ज़रूरत नहीं होगी। इसके साथ ही, धारा 21 और 26 के अंतर्गत दंडों को भी तर्कसंगत बनाते हुए न्यूनतम जुर्माना 25 रुपए से बढ़ाकर एक हजार रुपए और अधिकतम जुर्माना 100 रुपए से बढ़ाकर 30 हजार रुपए कर दिया गया है। परेशानियों को कम करने और कारोबारियों को शर्तों का पालन करने के लिए समय देने के लिए पहली और दूसरी उल्लंघना तथा उसके बाद की उल्लंघना के बीच सुधार के लिए तीन महीने का समय दिया जाएगा।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ब्रिटेन और दुबई के दौरे पर रवाना

बीकानेर (हिंस)। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल बुधवार को ब्रिटेन और दुबई के दौर पर रवाना हुए। मेघवाल एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-161 से दिल्ली से लंदन के लिए रवाना हुए। जहां वे 5 जून को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और उद्घाटन भाषण देंगे। भारतीय मध्यस्थता परिषद द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम भारत-ब्रिटेन वाणिज्यिक विवादों के मध्यस्थता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का तीसरा संस्करण है। सम्मेलन के बाद लंदन के प्रसिद्ध ताज सेंट जेम्स कोर्ट, 54 बकिंघम गेट में विशेष डिनर में भी केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। अगले दिन 6 जून, शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री मेघवाल लंदन से दुबई के लिए रवाना होंगे जहां वे कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

आयुष्मान पैनल से जुड़े अस्पतालों को शिक्षा मंत्री ने दी चेतावनी

पानीपत (हिंस)। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने दी चेतावनी देते हुए कहा कि आयुष्मान कार्ड के तहत मिलने वाले सुविधाओं का अस्पतालों को ईमानदारी से पालन करना होगा। हर अस्पताल के बाहर व अंदर आयुष्मान कार्ड की शर्तों को मोटे अंकों में लिखकर बोर्ड लगाने होंगे। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने बुधवार को जिला सचिवालय सभागार में आयुष्मान मित्रों और डॉक्टरों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि आयुष्मान कार्ड लोगों की सुविधा को देखते हुए बनाए गए थे। सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना में किसी भी तरह की अनियमितताएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। वे स्वयं अस्पतालों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लेंगे। मंत्री ने कहा कि सभी आयुष्मान पैनल से जुड़े अस्पतालों को अपने अस्पताल के बाहर और अंदर आयुष्मान के तहत मिलने वाली सुविधाओं की शर्तो को मोटे अंकों में अंकित करवाकर बाहर लगवाना सुनिश्चित करना होगा। जिन अस्पतालों में ये बोर्ड अगर नहीं मिलते तो उन अस्पतालों पर कार्यवाही होगी और जुर्माना भी किया जाएगा। मंत्री ने आईएमए अध्यक्ष को विशेष तौर पर निर्देश दिए कि वे इसको लेकर निगरानी बरतें। मंत्री ने बताया कि जो मरीज आयुष्मान पैनल

अस्पताल में अपना ईलाज करवा रहे हैं उन्हें आयुष्मान से जुड़ी शर्तो से अवगत करवाएंगे। हर अस्पताल के आगे अलग से एक बैंच स्थापित होगा जहां मरीज अपनी बात रख सके। मरीज को डिस्चार्ज करते वक्त उसे खर्च की स्लीप भी साथ देनी होगी। उसे अपलोड करने के साथ-साथ मरीज को भी इसके सम्बंध में पूरी जानकारी देनी होगी। मंत्री ने आईएमए अध्यक्ष को निर्देश दिए कि वे 15 जून तक ये बोर्ड संबंधी प्रक्रिया सुनिश्चित करें। उसके बाद वे स्वयं अस्पतालों का निरीक्षण करेंगे व जरूरत पड़ने पर कार्यवाही भी करेंगे। इस मौके पर सीएमओ डॉ. विजय मलिक, आईएमए जिला अध्यक्ष यशबीर मलिक व विभिन्न अस्पतालों के आयुष मित्र और डॉक्टर मौजूद रहे।

पंजाब में पाकिस्तान को गोपनीय जानकारी देने वाला एक और यूटयूबर गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस के स्टेट स्पेशल आपरेशन सेल (एसएसओसी) एसएएस नगर ने पाकिस्तान की इंटर- सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए जासूसी करने के आरोप में एक यूट्यूब इनफलूऐंसर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को आरोपी को कोर्ट में पेश कर 3 दिन की रिमांड पर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान जसबीर सिंह उर्फ जान माहल (41) निवासी गांव माहलां रूपनगर के तौर पर हुई है। जसबीर 11 लाख से अधिक सब्सक्राइबर वाला एक सोशल मीडिया इनफलूऐंसर है, जो *जान माहल वीडियो* नाम का यूट्यूब चैनल चला रहा था। वह यात्रा और खाना पकाने संबंधी ब्लॉग पोस्ट करता था। डीजीपी यादव ने बताया कि जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी जसबीर सिंह पाकिस्तानी इंटेलिजेंस आपरेटिव (पीआईओ) शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा के साथ जुड़ा हुआ है, जो कि एक आतंकवादी- समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा है। वह यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के भी संपर्क में था। ज्योति को हरियाणा पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। उन्होंने बताया किजसबीर के पाकिस्तानी नागरिक और पाकिस्तानी हाई कमीशन से निकाले गए अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के साथ भी सीधे संपर्क थे। जांच से पता लगा है कि दानिश के निमंत्रण पर जसबीर दिल्ली में पाकिस्तान राष्ट्रीय दिवस समागम में शामिल हुआ था, जहां वह पाकिस्तानी फौज के अधिकारियों और व्लॉगरों से मिला था। उन्होंने बताया कि आरोपी जसबीर वर्ष 2020, 2021 और 2024 तीन बार पाकिस्तान भी गया था और आईएसआई अधिकारियों के सीधे संपर्क में आया था, जिन्होंने बाद में उसको भारत में जासूसी गतिविधियों करने के लिए भर्ती किया। डीजीपी ने बताया कि ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी के बाद जसबीर ने पकड़े जाने से बचने के लिए इन पीआईओ के साथ अपने संचार के सभी सबूत मिटाने की कोशिश की। उन्होंने आगे कहा कि व्यापक जासूसी-आतंकवादी नेटवर्क को ख़त्म करने और सभी सहयोगियों की पहचान करने के लिए अभी जांच चल रही है। आपरेशन का विवरण साझा करते हुए सहायक इंस्पेक्टर जनरल आफ पुलिस (एआईजी) एसएसओसी एसएएस नगर डॉ. रवजोत ग्रेवाल ने बताया कि पुलिस को विश्वस्तसूत्रों से सूचना मिली थी कि जसबीर सिंह उर्फ जान माहल पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंटों समेत कई पाकिस्तानी संस्थाओं के संपर्क में है और भारतीय फौज की तैनाती और देश की अन्य आंतरिक गतिविधियों के बारे संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान को दे रहा है।

पुलिस इतिहास पर प्रोफेसर नौटियाल की पुस्तक *पुलिस इतिहास के वातायन से* का विमोचन

जयपुर (हिंस)। राजस्थान पुलिस अकादमी में बुधवार को एक महत्वपूर्ण साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां प्रोफेसर विकास नौटियाल द्वारा रचित पुलिस के इतिहास संबंधी पुस्तक *पुलिस इतिहास के वातायन से* का विधिवत विमोचन संपन्न हुआ। इस मौके पर पूर्व महानिदेशक बीएसएफ एमएल कुमावत, आरपीए निदेशक एस सेंगाथिर, पूर्व आईपीएस हरिराम मीणा और प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. कमल नयन जैसे गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। जिन्होंने पुस्तक का विमोचन किया। लेखक प्रोफेसर विकास नौटियाल ने अपनी कृति के बारे में बताते हुए कहा कि यह पुस्तक भारत में पुलिस के इतिहास का गहन विवेचन करती है, जिसमें विशेष रूप से राजस्थान के संदर्भ को उजागर किया गया

है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस पुस्तक के माध्यम से उनका प्रयास पुलिस और अकादमिक जगत के बीच एक मजबूत सेतु का निर्माण करना है। प्रोफेसर नौटियाल ने बताया कि अब तक पुलिस के इतिहास पर लिखी गई अधिकांश पुस्तकें संगठनात्मक उद्देश्यों को ध्यान में रखकर लिखी गई हैं, लेकिन *पुलिस इतिहास के वातायन से* का लेखन विशुद्ध रूप से अकादमिक दृष्टिकोण से किया गया है, जो इसे अन्य पुस्तकों से अलग करता है। प्रोफेसर नौटियाल ने बताया कि उनकी यह पुस्तक समाज के विविध पहलुओं के संबंध में पुलिसिंग का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करती है। उन्होंने दावा किया कि यह संभवत: अकादमिक दृष्टि से राजस्थान में पुलिस पर लिखा गया पहला विस्तृत इतिहास है। पुस्तक का सबसे महत्वपूर्ण और विश्वसनीय पहलू यह है कि इसमें अभिलेखागारों से प्राप्त प्राथमिक स्रोतों का व्यापक रूप से उपयोग किया गया है। इन प्राथमिक स्रोतों के समावेश से पुस्तक न केवल रोचक बन गई है, बल्कि इसकी ऐतिहासिक विश्वसनीयता भी बढ़ गई है। विमोचन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व महानिदेशक बीएसएफ एमएल कुमावत ने अपने संबोधन में पुस्तक की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पुलिस जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विस्तृत रूप से रिसर्च किए जाने की आवश्यकता है, और प्रोफेसर नौटियाल की यह कृति इसी दिशा में एक मील का पत्थर है। कुमावत ने *पुलिस इतिहास के वातायन से* को पुलिस विषय पर अब तक की उत्कृष्ट पुस्तक करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस के कार्य और इतिहास को समझने के लिए इस पुस्तक को हर किसी को पढ़ना चाहिए। यह पुस्तक पुलिसिंग के विभिन्न जटिल पहलुओं को एक नए और अकादमिक नजरिए से प्रस्तुत करती है, जिससे आम जनता और शोधार्थियों दोनों को लाभ होगा। यह पुस्तक पुलिस इतिहास के अध्ययन में एक महत्वपूर्ण योगदान देगी और पुलिस तथा अकादमिक समुदायों के बीच संवाद तथा शोध को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी।

वैध पहचान पत्र के बिना मोबाइल कनेक्शन नहीं दिए जाएं : अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर

जयपुर (हिंस)। जयपुर पुलिस की ओर से एक आदेश जारी किया गया है कि विभिन्न सेल्यूलर मोबाइल फोन सेवा प्रदाता कंपनियों के रिटेलर्स व सब रिटेलर्स और दुकानदारों को बिना ग्राहक की वैध पहचान और पते का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित किए बिना सिम कार्ड, सेल्यूलर मोबाइल फोन कनेक्शन नहीं दिए जाएं। साथ ही इस आदेश की अवहेलना करने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 में उपबंधित प्रावधानों के तहत दंडनीय अभियोग चलाया जा सकता है। इस संबंध में कार्यपालक मजिस्ट्रेट और अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून-व्यवस्था) जयपुर डॉ. रामेश्वर सिंह की ओर से जयपुर में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अन्तर्गत पाबंदी आदेश जारी किए गये हैं। इन आदेशों में यह कहा गया है कि विभिन्न सेल्यूलर मोबाइल फोन सेवा प्रदाता कंपनियों के रिटेलर्स एंव सब-रिटेलर्स द्वारा दूसरों के नाम से व छद्म नाम के कूटरचित पहचान-पत्रो के आधार पर भी बिना भौतिक सत्यापन के मोबाईल कनेक्शन व सिम कार्ड जारी किए जा रहे है। इन कंपनियों से समाज विरोधी, राष्ट्र विरोधी व आतंकवादी तत्वों द्वारा अपने आपराधिक मंसूबों की पूर्ति के लिए कनेक्शन व सिम कार्ड प्राप्त कर इनका प्रयोग अवांछित कार्यो व अपराधियों में करने की आसूचना ये भी प्राप्त हुई है। कूटरचित पहचान-पत्रों के आधार पर दूसरों के नाम से व छद्म नाम जारी सेल्यूलर मोबाइल फोन कनेक्शन व सिम का प्रयोग आतंकवादी वारदातो को अंजाम देने में भी किए जाने की पूर्ण संभावना है। इसे देखते हुए ही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अन्तर्गत विभिन्न सेल्यूलर मोबाइल फोन सेवा प्रदाता कंपनियों के रिटेलर्स एवं सब-रिटेल एवं ऐसे दूसरे सभी दुकानदारों को पाबंद किया गया है कि ग्राहक को वैध पहचान तथा पते का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित किए बिना कोई सेल्यूलर मोबाइल फोन कनेक्शन व सिम कार्ड जारी नहीं करेंगे। रिटेलर्स, सब रिटेलर्स एंव ऐसे दुकानदार द्वारा बेची गई सिम कार्ड की कंपनी का नाम आईडी नंबर सहित सिम कार्ड के क्रेता का पूर्ण विवरण नाम पिता का नाम पूर्ण स्थाई व वर्तमान पता बेसिक फोन नंबर पूर्व में प्रयोग किए जा रहे सेल्यूलर मोबाइल फोन कनेक्शन नंबर तथा सिम जारी करने के लिये प्राप्त दस्तावेजों की पूर्ण सूचना रखेगें। समस्त सेल्यूलर मोबाइल फोन सेवा प्रदाता कंपनियां अपना सेल्यूलर मोबाईल फार्म नंबर व सिम जारी करने का रिकॉर्ड हमेशा के लिये तथा रिटेल व सब रिटेल एवं दुकानदार प्रीपेड-पोस्टपेड मोबाइल कनेक्शन की बिक्री की दैनिक सूचना रजिस्टर में संधारित कर पांच साल तक उक्त रिकॉर्ड को सुरक्षित रखेंगे तथा जांच एजेंसी द्वारा मांगने पर उक्त रिकार्ड को अविलंब उपलब्ध करवायेगे। इस आदेश की अवहेलना करने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 में उपबंधित प्रावधानों के तहत दंडनीय अभियोग चलाया जा सकेगा।

16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष के दौरे से उत्तर प्रदेश को उम्मीद

लखनऊ (हिंस)। 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने बुधवार को यहां एक बैठक कर केंद्र और राज्यों के बीच केंद्रीय करों के बंटवारे पर चर्चा की। पनगढ़िया ने केंद्र सरकार के राजस्व में से राज्यों को मिलने वाली हिस्सेदारी बढ़ाने की मांग की है। 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया आज उत्तर प्रदेश के दौरे पर हैं। केंद्र और राज्यों के बीच केंद्रीय करों के बंटवारे पर वित्त आयोग की बैठक में चर्चा हुई। इसके बाद लोकभवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में पनगढ़िया ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा एकत्रित करों में राज्यों की हिस्सेदारी को कुछ हद तक बढ़ाया जा सकता है, लेकिन जितना राज्यों की मांग है, उतना नहीं किया जा सकता। पनगढ़िया ने बताया कि वर्तमान में केंद्र सरकार अपने कर राजस्व का 59 प्रतिशत अपने पास रखती है। 41 फीसदी राज्यों को देती है। उत्तर प्रदेश के साथ ही कई राज्यों ने इस हिस्सेदारी को 41 से बढ़ाकर 50 फीसदी करने की मांग की है। यह 41 प्रतिशत सभी राज्यों को सीधा बंटवारा होता है। अरविन्द पनगढ़िया ने पत्रकारों को बताया कि वित्त

आयोग का मुख्य कार्य केंद्र और राज्यों के बीच करों के बंटवारे का प्रस्ताव तैयार करना है। तैयार प्रस्ताव को भारत के राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। उन्होंने कहा कि आयोग के प्रस्तावों को राष्ट्रपति द्वारा स्वीकार किया गया है। इसके अलावा, वित्त आयोग स्थानीय निकायों और पंचायतों के लिए बजट आवंटन का प्रस्ताव भी तैयार करता है, जो 72वें संवैधानिक संशोधन का हिस्सा है। आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों के लिए भी आयोग बजट का प्रस्ताव देता है। पनगढ़िया ने कहा कि आयोग के सदस्य हर राज्य का दौरा कर वहां की आर्थिक और सामाजिक जरूरतों का आकलन करते हैं। उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से स्थानीय निकायों और पंचायतों के लिए बजट आवंटन पर चर्चा हुई। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उत्तर प्रदेश जीएसटी संग्रह में देश में पहले स्थान पर है। यह राज्य की आर्थिक ताकत को दर्शाता है। वित्त आयोग के अध्यक्ष पनगढ़िया ने कहा कि करों के बंटवारे में कई मानदंडों को ध्यान में रखा जाता है, जैसे जनसंख्या, क्षेत्रफल, वन और पर्यावरण, आय की दूरी (इनकम डिस्टेंस) और जनसांख्यिकीय प्रदर्शन, उत्तर प्रदेश ने कुछ विशेष प्रस्ताव रखे हैं। राज्य ने क्षेत्र के आधार पर हिस्सेदारी को 15 से घटाकर 10 फीसदी करने और वन व पर्यावरण के लिए हिस्सेदारी को 10 से 5 प्रतिशत करने की मांग की है। साथ ही, कर संग्रह में 10 प्रतिशत और जनसांख्यिकी में 7.5 प्रतिशत हिस्सेदारी का प्रस्ताव दिया है। अरविंद पनगढ़िया ने कहा कि वित्त आयोग इन प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार कर रहा है। उनका उद्देश्य केंद्र और राज्यों के बीच संतुलित और निष्पक्ष कर बंटवारा सुनिश्चित करना है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य की मांगों को ध्यान में रखते हुए आयोग अपनी सिफारिशें तैयार करेगा, जो स्थानीय निकायों और आपदा प्रबंधन को भी मजबूत करेंगी।

फेक क्यूआर कोड से ठगी : राजस्थान पुलिस ने जारी की नई चेतावनी

जयपुर (हिंस)। अगर आप दुकान पर सामान खरीदकर क्यूआर कोड से पेमेंट करते हैं तो सावधान हो जाए। राजस्थान पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के एक नए तरीके के खिलाफ चेतावनी जारी की है। अपराधी अब दुकानों और प्रतिष्ठानों पर असली क्यूआर कोड के ऊपर नकली क्यूआर कोड चिपका रहे हैं, जिससे आप जो पैसा दुकानदार को दे रहे हैं, वह सीधे धोखेबाजों के खाते में जा रहा है। पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम) शांतनु कुमार ने बताया कि इस संबंध में राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने एडवाइजरी जारी कर लोगों और व्यापारियों को इस धोखाधड़ी से बचने के तरीके बताए हैं। पुलिस का कहना है कि साइबर अपराधी लगातार अपनी चालें बदल रहे हैं और यह उनका नया तरीका है। आजकल हम सब दुकानों पर पेटीएम, फोनपे, गूगल पे जैसे ऐप्स से क्यूआर कोड स्कैन कर पेमेंट करते हैं। अपराधी इसी का फायदा उठा रहे हैं। वे बड़ी चालाकी से दुकानदारों के असली क्यूआर कोड जो उन्हें पेमेंट कंपनियों से मिलते हैं पर अपना बनाया हुआ नकली क्यूआर कोड चिपका देते हैं। जब आप सामान खरीदने के बाद इस नकली क्यूआर कोड को स्कैन करके पैसे भेजते हैं तो वह पैसा दुकानदार के पास जाने के बजाय सीधे ठगों के बैंक खाते में चला जाता है। दुकानदार को अक्सर तब पता चलता है जब उसे पेमेंट मिलने का मैसेज नहीं आता। लेकिन तब तक ग्राहक जा चुका होता है और पैसा अपराधियों तक पहुंच चुका होता है। राजस्थान पुलिस ने इस धोखाधड़ी से बचने के लिए दुकानदारों और आम जनता दोनों को कुछ आसान और ज़रूरी बातें बताई हैं कि अपने दुकान के क्यूआर कोड को ऐसी जगह लगाएं। जहां कोई आसानी से उसे बदल न सके या उस पर कुछ चिपका न सके। साथ ही अगर हो सके तो रात में दुकान बंद करते समय क्यूआर कोड को अंदर सुरक्षित रख लें। समय-समय पर अपने क्यूआर कोड को ध्यान से देख कर चेक करें कि उस पर कोई और क्यूआर कोड तो नहीं चिपका हुआ है। पेमेंट आने के बाद तुरंत अपने फोन पर या बैंक खाते में चेक करें कि पैसा आया है या नहीं। अगर आप इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं या आपको कुछ भी संदिग्ध लगता है, तो तुरंत पुलिस को बताएं। राजस्थान पुलिस ने सभी से अपील की है कि वे सतर्क रहें और इन सावधानियों का पालन करके खुद को साइबर ठगों से बचाएं।

इनकम टैक्स कार्यालय में मारपीट मामले में बड़ी कार्रवाई

लखनऊ (हिंस)। स्थानीय इनकम टैक्स विभाग में मारपीट मामले में आरोपी असिस्टेंट कमिश्नर योगेंद्र को पश्चिम बंगाल-सिक्किम क्षेत्र भेज दिया गया है। योगेंद्र को अगले कुछ घंटों में ही पश्चिम बंगाल-सिक्किम क्षेत्र के कार्यालय में अपनी योगदान रिपोर्ट देनी होगा। निलंबित असिस्टेंट कमिश्नर अगले आदेश तक वहीं अटैच रहेंगे। योगेंद्र बिना सूचना के अटैच कार्यालय को नहीं छोड़ सकेंगे। दरअसल, 29 मई को लखनऊ में इनकम टैक्स विभाग के कार्यालय में डिप्टी कमिश्नर गौरव गर्ग और आरोपी असिस्टेंट कमिश्नर योगेंद्र मिश्रा के बीच जमकर मारपीट हुई थी। इसमें डिप्टी कमिश्नर गौरव गर्ग घायल हो गये थे। जिसके बाद योगेंद्र मिश्रा के विरूद्ध हजरतगंज कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसी बीच इनकम टैक्स विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर योगेंद्र ने पत्रकारों के सामने आरोप लगाया कि उनके विरूद्ध साजिशन कार्रवाई हो रही है।

बलात्कार और इलाज के अभाव में हुई बच्ची की मौत के विरुद्ध प्रदर्शन

नवादा (हिंस)। मुजफ्फरपुर की 10 वर्षीया दलित बच्ची के साथ बलात्कार के बाद इलाज के अभाव में हुई मौत के खिलाफ भाकपा माले और एपवा ने बुधवार को नगर थाना के समीप से आक्रोश मार्च निकाल कर नीतीश भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। मौत के जिम्मेवार बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय को अपराधिक लापरवाही आरोप लगाते हुए इस्तीफा मांगा। सरकार विरोधी नारा लगाते हुए बिहार की पत्थर हालत आंदोलन को जायज ठहराया गया है। सदस्यों ने नारेबाजी करते हुए नवादा के प्रमुख मार्गो से होते हुए भगत सिंह चौक पहुंच सभा में तब्दील हो गई। सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले जिला सचिव कॉम भोला राम ने कहा कि नीतीश भाजपा राज में बेटियां सुरक्षित नहीं है, बेटी को भाजपा से बचाना होगा।

तथाकथित बेटी बचाओ का झूठा नारा देकर बलात्कारियों के पक्ष में जुलूस निकालने की फितरत भाजपा को ही है, ऐसी ताकतों से सावधान रहने की आवश्यकता है। बिहार की मेहनतकश जनता को उठ खड़ा होना होगा। एपवा जिला अध्यक्ष एवं जिला सचिव कॉम सुदामा देवी ने कहा कि महिलाओं बच्चियों की सुरक्षा देने में नाकाम नीतीश साबित हुए है। बेलारू की 16 वर्षीय रीमा कुमारी की निर्मम हत्या से पूरा महिलाओं का सिर झुक गया है। अपराधियों को स्पीडी ट्रायल चलाकर कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग को उठाया।

छात्र हित और शिक्षा सुधार को लेकर अभाविप ने चार मुद्दों को लेकर की चर्चा

कानपुर (हिंस)। छात्रों के हित और शिक्षा में सुधार के लिए कार्य कर रही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) समय-समय पर छात्रों की आवाज बनकर उन्हें उनका अधिकार और सम्मान दिलाने का काम करती आ रही है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के रायपुर में बीते 29 से 31 मई के बीच राष्ट्रीय कार्यकारी की बैठक हुई। जिसमें संगठन ने चार प्रस्ताव पारित किए हैं। इन प्रस्तावों को छात्रों तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए बुधवार को कानपुर प्रेस क्लब में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के तत्वावधान में पत्रकार वार्ता में छात्र हित और शिक्षा सुधार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मंत्री अंकित चौहान ने बताया कि वर्तमान में परिषद के 60 लाख से अधिक सक्रिय सदस्य हैं, जो देश भर में छात्रों और शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। संगठन का उद्देश्य युवाओं को देश के स्वतंत्रता संग्राम, क्रांतिकारियों और विकास पुरुषों के जीवन से प्रेरणा देना है, ताकि वे राष्ट्र निर्माण में अपनी

सक्रिय भूमिका निभा सकें। इसी संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ के रायपुर में राष्ट्रीय कार्यकारी की हुई बैठक में एबीवीपी द्वारा कर प्रस्ताव पारित किए गए जिनमें प्रमुख रूप से देश भर में संचालित हो रही कोचिंग संस्थाओं को एक समान नियमावली के अंतर्गत लाकर उन्हें अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनाया जाएगा। दूसरी विश्वविद्यालय में कुलपतियों की नियुक्ति काफी लंबे समय से लंबित पड़ी है। उस प्रक्रिया को पूरा कराए जाने का प्रस्ताव तीसरा देश की आंतरिक सुरक्षा और चौथा भारत की वैश्विक व्यवस्था में जो भारत की पहल है। उसे भी लेकर प्रस्ताव पारित किए गए हैं। देश और समाज के प्रति अपना जीवन न्योछावर करने वाले महापुरुषों की प्रेरणादायक कहानियों को छात्रों तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

आरबीआई की एमपीसी बैठक शुरू, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

नई दिल्ली/मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय द्विमासिक समीक्षा बैठक बुधवार को मुंबई में आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में शुरू हो गई है। जानकारों का मानना है कि रिजर्व बैंक लगातार तीसरी बार नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की और कटौती कर सकता है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक मुंबई में शुरू हो गई है। छह सदस्यीय समिति गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में हो रही बैठक के निर्णय की घोषणा शुक्रवार, 6 जून को करेगी। एक्सपर्ट कहा कहना है कि आरबीआई लगातार तीसरी बार नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। इसकी वजह महंगाई दर में नरमी, आर्थिक वृद्धि दर को और बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया है, ताकि अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न वैश्विक अनिश्चितता के बीच विकास को बढ़ावा दिया जा सके। आर्थिक मामलों के जानकारों को मानना है कि मौजूदा समय में महंगाई दर संतुलित स्थिति में है। रिजर्व बैंक ने तरलता की स्थिति को कई उपायों के माध्यम से काफी सहज बना दिया है। ऐसे में उम्मीद है कि आरबीआई 4-6 जून तक चलने वाली एमपीसी की बैठक में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती का निर्णय ले सकती है। इसके अलावा इस बैठक में आरबीआई अपनी विकास दर और महंगाई दर के अनुमान को भी संशोधित कर सकता है। इसकी वजह देश में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महुंगाई दर अप्रैल में घटकर छह साल के निचले स्तर पर आ गई है। मार्च में खुदरा महंगाई दर 3.34 फीसदी और फरवरी में 3.61 फीसदी रही थी। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली और वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम एमपीसी की बैठक यानी इस वर्ष फरवरी और अप्रैल में लगातार दो बार प्रमुख ब्याज दर (रेपो रेट) में 0.25-0.25 फीसदी तक की कटौती की।

न्यूज ब्रीफ

यस बैंक ने किया 16,000 करोड़ जुटाने का ऐलान, फंड इक्विटी और डेट का रहेगा मिश्रण

नई दिल्ली। यस बैंक ने 16,000 करोड़ रुपए तक की राशि जुटाने का ऐलान किया है। यह फंड इक्विटी और डेट दोनों का मिश्रण होगा। यह फैसला 3 जून को बैंक की बोर्ड की बैठक में लिया गया। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक बैंक 7,500 करोड़ रुपए तक की राशि इक्विटी इश्यू और 8,500 करोड़ तक की राशि डेट इंस्ट्रूमेंट्स के जरिये जुटाएगा। बैंक ने साफ कहा है कि कुल इक्विटी डाइल्यूशन 10 फीसदी से ज्यादा नहीं होगा। हालांकि बैंक ने फंड के इस्तेमाल को लेकर कोई विशेष जानकारी नहीं दी है, लेकिन इस तरह की पूंजी जुटाने की कवायद का उद्देश्य पूंजी पर्याप्तता सुधारना, भविष्य की वृद्धि को समर्थन देना और लेंडिंग क्षमता को बढ़ाना होता है। यह फंड रेजिंग जापान की सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन के साथ हुए अहम शेयर खरीद सौदे के बाद सामने आई है, जिसमें एसएमबीसी ने यस बैंक में 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का समझौता किया है। यह हिस्सेदारी 8 मौजूदा शेयरधारकों से ली जा रही है। इनमें एसबीआई से 13.19 फीसदी और शेष सात अन्य बैंकों जैसे एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा आदि से कुल मिलाकर 6.81 फीसदी हिस्सेदारी शामिल है। बता दें 13,480 करोड़ रुपए का यह सौदा भारत के फाइनेंशियल सेक्टर में अब तक का सबसे बड़ा क्रॉस-बॉर्डर मर्जर और एक्विजिशन सौदा माना जा रहा है। एसएमबीसी और एसबीआई के अधिकारों को संरक्षित रखने के लिए यस बैंक ने 9 मई 2025 को समझौते के तहत अपने आर्टिकल्स ऑफ़ एसोसिएशन में संशोधन को भी मंजूरी दी है। इसके तहत एसएमबीसी के लिए 10 फीसदी और एसबीआई के लिए 5 फीसदी की ओनरशिप सीमा पर यह अधिकार आधारित होंगे। फंड रेजिंग और आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में संशोधन को अब शेयरधारकों की मंजूरी और आरबीआई समेत अन्य रेगुलेटरी मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। बैंक ने कहा है कि ये प्रस्ताव 'इनेबलिंग इन नेचर' हैं यानी बाजार की स्थितियों के मुताबिक लचीलापन बनाए रखने के लिए तैयार किया गया है। इस बीच एक दिन पहले बड़ी गिरावट के बाद बीएसई पर यस बैंक के शेयर बुधवार को 21.18 पर खुले। बाद में इसमें गिरावट आई।

एप्पल ने दी चेतावनी, आईफोन को करें आईओएस 18.5 में अपडेट

नई दिल्ली। एप्पल कंपनी ने आईफोन इस्तेमाल करने वालों को चेतावनी दी है। यह चेतावनी एप्पल ने हाल ही में अपने ऑपरेटिंग सिस्टम का नया अपडेट आईओएस 18.5 जारी किया है, साथ ही करोड़ों आईफोन यूजर्स को चेतावनी देते हुए उन्हें अपने डिवाइस को आईओएस 18.5 में तुरंत अपडेट करने की सलाह दी है। एप्पल का कहना है कि इस अपडेट के जरिए उसने आईफोन में पाई गई सुरक्षा खामियों को फिक्स किया है, जिनका फायदा उठाकर हैकर्स डिवाइस का कंट्रोल अपने हाथ में ले सकते थे। कंपनी के मुताबिक आईओएस 18.5 में आईफोन 16ई मॉडल के बेसबैंड एलिमेंट में पाई गई खामी को ठीक किया गया है। इस खामी का फायदा उठाकर हैकर्स नेटवर्क को अनस्टेबल कर सकते थे, जिससे यूजर्स की सुरक्षा को गंभीर खतरा था। इसके अलावा, कॉल हिस्ट्री सिस्टम, कोर ब्लूटूथ में पाई गई खामियां को भी ठीक किया गया है, जो ऐप्स को सेंसिटिव यूजर डेटा तक एक्सेस दे सकती थी। इसके साथ ही कंपनी ने ओरऑडियो और कोरमीडिया बग को भी फिक्स किया है जिससे तैयार की गई फाइल्स एक क्रेश का कारण बन सकते थे। साथ ही आईक्लाउड डॉक्यूमेंट शेयरिंग सिस्टम की कुछ कमियों को भी सुधारा गया है।

विनफास्ट की वीएफ7 इलेक्ट्रिक एसयूवी जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में ऑटोमोबाइल कंपनी विनफास्ट जल्द ही अपनी वीएफ7 इलेक्ट्रिक एसयूवी को लॉन्च करने जा रही है। हाल ही में मुंबई में वीएफ7 को एक फ्लैटबेड पर देखा गया है, जो इस मॉडल के जल्द लॉन्च होने का संकेत है। यह कार फेस्टिव सीजन के आसपास बाजार में आएगी, जो अगस्त में गणेश चतुर्थी से शुरू होगा। विनफास्ट वीएफ7 का मुकाबला भारत में मारुति, हुंडई, टाटा, महिंद्रा और एमजी जैसी बड़ी कंपनियों के इलेक्ट्रिक वाहनों से होगा। जनवरी 2025 में कंपनी के डिप्टी सीईओ अश्विन पाटिल ने बताया था कि वीएफ6 और वीएफ7 को भारतीय कंडीशंस के मुताबिक थोड़े बदलावों के साथ पेश किया जाएगा। ये मॉडल सीकेडी रूट के तहत भारत में लाए जाएंगे और तमिलनाडु के थूथुकुडी प्लांट में असेंबल होंगे। इस प्लांट की शुरुआती क्षमता सालाना 50,000 यूनिट की होगी, जिसे मांग के आधार पर बढ़ाकर 1.5 लाख यूनिट तक किया जा सकता है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मामूली तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी बनी हुई है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 200 अंक से अधिक उछल गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.58 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,970.37 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने 156.34 अंक यानी 0.81 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,398.96 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 42,525.12 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,787.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.34 प्रतिशत उछल कर 7,763.84 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 160.95 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,091.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.96 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 1,138.20 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.14 प्रतिशत फिसल कर 3,888.99 अंक के स्तर पर आ गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,671.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.44 प्रतिशत उछल कर 7,076.15 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जबरदस्त छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 2.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,767.85 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 446.60 अंक यानी 2.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 21,573.53 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 314.51 अंक यानी 0.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 37,761.32 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 143.75 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,656.24 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,376.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कई नई इलेक्ट्रिक और लग्जरी कारें लांच होगी जून माह में

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में चालू महीने में कई नई और शानदार कारें लॉन्च होंगी। देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए जून का महीना खास रहने वाला है। लांच होने वाली कारों में इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) से लेकर इंजन आधारित (आईसीई) कारें शामिल हैं, जिनमें कुछ प्रीमियम और लग्जरी मॉडल भी हैं। अगर आप नई कार खरीदने की योजना बना रहे हैं तो इस बार लॉन्च होने वाली गाड़ियों की यह लिस्ट आपके लिए जरूर मददगार साबित होगी। टाटा मोटर्स की टाटा हैरियर ईवी 3 जून को बाजार में आएगी। यह कार टाटा हैरियर के आईसीई मॉडल की तरह दिखेगी लेकिन इलेक्ट्रिक वाहन के अनुरूप डिजाइन में बदलाव होंगे, जैसे चौड़ी लाइटबार, वर्टिकल हेडलाइट्स, क्लोज्ड ग्रिल और नया बंपर। इसकी रेंज 500 किलोमीटर से अधिक होगी और कीमत लगभग 25 लाख रुपए के आस-पास हो सकती है। एमजी मोटर्स भी अपनी नई साइबरस्टर ईवी लॉन्च करने वाली है। यह दो-दरवाजों वाली स्पोर्ट्स कार है, जो 77केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ 443 किलोमीटर तक की रेंज देती है। यह कार मात्र 3.2 सेकेंड में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है और इसकी शुरुआती कीमत करीब 50 लाख रुपए होगी। एमजी एम9, एक प्रीमियम इलेक्ट्रिक एमपीवी, जून में आ रही है। इस कार में स्लिम एलईडी डीआरएल, वर्टिकल हेडलाइट्स और स्लाइडिंग डोर जैसी खूबियां होंगी। 90केडब्ल्यूएच बैटरी से लैस यह कार 430 किलोमीटर तक चल सकती है और इसकी कीमत लगभग 70 लाख रुपए होगी। इसी महीने मर्सिडीज एएमजी जीटी 63 और जीटी प्रो भी आएंगी, जिनकी कीमतें 3 से 3.5 करोड़ रुपए के बीच रहने की संभावना है। मर्सिडीज-बेंज जून में एएमजी जीटी 63 का स्पेशल एडिशन भी लॉन्च करेगी, जिसमें खास ऑरेंज पेंट और कस्टमाइज्ड इंटीरियर मिलेगा। इसकी कीमत करीब 3.5 करोड़ रुपए हो सकती है।

स्टील और एल्यूमीनियम के आयात पर ट्रंप ने लगाया दोगुना टैक्स, हुआ लागू

नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने आदेश दिया है जिसमें स्टील और एल्यूमीनियम के आयात पर टैरिफ को दोगुना कर 50 फीसदी कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी बुधवार से ही लागू हो गई है। यह कदम घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग को बूस्ट देने के लिए उठाया गया है। इसको लेकर ट्रंप प्रशासन ने पहले ही अपना रुख साफ कर दिया था। मार्च के बाद से इन मेटल्स पर यह दूसरी टैरिफ बढ़ोतरी है, जो ऑटोमोबाइल से लेकर डिब्बाबंद सामान तक की इंडस्ट्री में इनपुट पर असर डालती है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के आदेश में कहा गया है कि पहले जितना टैरिफ लगाया जा रहा था, वह घरेलू इंडस्ट्री को लॉन्ग टर्म वायबिलिटी के लिए जरुरी उत्पादन क्षमता और उपयोग दरों को हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था और न ही अनुमानित नेशनल डिफेंस जरूरतों को पूरा कर रहा था। आदेश में कहा गया है कि मौजूदा टैरिफ बढ़ाने से घरेलू उद्योगों को मजबूत समर्थन मिलेगा और स्टील, एल्यूमीनियम और संबंधित उत्पादों के आयात से पैदा हुए राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे को कम करने या खत्म करने में मदद मिलेगी।

हालांकि, यूके से स्टील और एल्यूमीनियम के आयात पर टैरिफ मौजूदा 25 फीसदी के स्तर पर ही रहेगा, जिससे दोनों देशों को 9 जुलाई की समय सीमा तक नए लेवी या कोटा को अंतिम रूप देने के लिए समय मिल जाएगा। जबकि पिछले महीने स्टील पर व्यापार बाधाओं को कम करने के लिए एक ढांचे पर सहमति हुई थी, लेकिन दोनों पक्षों को अभी तक ब्रिटिश स्टील के लिए राहत की सीमा तय करनी है, और यह सौदा अभी तक लागू नहीं हुआ है। यूके के लिए छूट ब्रिटिश सरकार की ओर से यह पुष्टि करने के कुछ घंटों बाद आई कि दोनों देश टैरिफ राहत समझौते को तेजी से लागू करने पर सहमत हो गए हैं।

इलेक्ट्रिक स्कूटर चेतक ने तोडे बिक्री के सभी रिकार्ड

बीते अप्रैल महीने में स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो का इलेक्ट्रिक स्कूटर चेतक बिक्री के अपने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ चुका है। अप्रैल 2025 में बजाज ऑटो ने इस मॉडल की 19,216 यूनिट्स बेचीं, जो कि पिछले साल अप्रैल 2024 के मुकाबले 8,095 यूनिट्स ज्यादा है। इस तरह इसे 72.79प्रतिशत की सालाना ग्रोथ मिली है। इसके साथ ही चेतक ईवी का कंपनी के घरेलू बिक्री में मार्केट शेयर बढ़कर 10.69प्रतिशत हो गया है, जिसका मतलब है कि हर 10 ग्राहकों में से लगभग 1 ग्राहक इसे खरीद रहा है। इस प्रदर्शन के कारण चेतक ने ओला को नंबर-1 की पोजीशन से पीछे छोड़ दिया है। चेतक की नई 35 सीरीज एक नए प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जिसमें 3.5 केडब्ल्यूएच की बड़ी अंडरफ्लोर बैटरी लगी है। इस बैटरी की खास प्लेसमेंट से स्कूटर का वजन और हैंडलिंग बेहतर हुई है और साथ ही अंडर-सीट 35 लीटर की स्टोरेज स्पेस भी मिली है, जहां हेलमेट समेत कई जरूरी सामान आसानी से रखा जा सकता है। नया बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम बेहतर परफॉर्मेंस और ऊर्जा दक्षता प्रदान करता है। कंपनी का दावा है कि चेतक ईवी सिंगल चार्ज में 125 किलोमीटर की रियल रेंज देती है, जबकि टैक्निकल रेंज 153 किलोमीटर बताई गई है।

एसआईएफ म्युचुअल फंड हाउस में एंट्री करने को तैयार

नई पेशकशों के लिए इक्विटी और हाइब्रिड क्षेत्रों पर दे रही ध्यान

नई दिल्ली

फंड हाउस आने वाले महीनों में हाल में पेश स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) सेगमेंट में प्रवेश करने को तैयार है। कई फंड हाउस अपनी नई पेशकशों के लिए इक्विटी और हाइब्रिड क्षेत्रों पर ध्यान दे रहे हैं। वे पारंपरिक योजनाओं से अलग हटकर अपनी पेशकशों पर ध्यान देना चाहते हैं। मीडिया रिपोर्ट में म्युचुअल फंड अधिकारियों का कहना है कि इक्विटी और हाइब्रिड श्रेणियों के बीच चयन तीन मुख्य कारकों पर केंद्रित है। निवेश दायरे में मौजूदा उत्पाद अंतराल, इस तरह के प्रस्तावों की बाजार में मांग और फंड हाउस के पास उपलब्ध संसाधन। इस तरह की शुरुआती एसआईएफ पेशकशें अगले माह की जा सकती हैं। दो परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों क्वांट और एडलवाइस ने एसआईएफ लाइसेंस हासिल किए हैं। एडलवाइस 'एल्टिवा एसआईएफ' ब्रांड के तहत अपना एसआईएफ व्यवसाय चालू करेगी। कई अन्य एएमसी ने भी सेबी के पास एसआईएफ लाइसेंस के लिए आवेदन किया है या फिर वे इसकी तैयारी कर रहे हैं। उत्पाद के मोर्चे पर, एडलवाइस और ऐक्सिस ने हाइब्रिड रणनीतियों को चुना है, जबकि क्वांट और एसबीआई इक्विटी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

उद्योग सूत्रों के मुताबिक कम से कम तीन अन्य फंड हाउस कथित तौर पर इक्विटी या हाइब्रिड फंड लॉन्च करने के लिए तैयार हैं। मौजूदा एसआईएफ नियम सात एसआईएफ उत्पादों तक की अनुमति देते हैं। इक्विटी, हाइब्रिड और डेट श्रेणियों में दो-दो। उदाहरण के लिए एडलवाइस एएमसी ने अपनी पहली पेशकश के लिए हाइब्रिड ढांचे को अपनाया है।

भारत ने डब्ल्यूटीओ से गैर-टैरिफ बाधाओं पर कार्रवाई करने का आग्रह किया

पेरिस

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत ने गैर-टैरिफ बाधाओं पर अंकुश लगाने, गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं के कारण होने वाली व्यापार विकृतियों को दूर करने तथा विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में एक मजबूत विवाद निपटान तंत्र को बहाल करने के लिए कार्रवाई का आह्वान किया है।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने फ्रांस के पेरिस में आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) की मंत्रिस्तरीय परिषद की बैठक में विश्व व्यापार संगठन के व्यापार मंत्रियों के साथ चर्चा के दौरान यह बात कही। गोयल ने विश्व व्यापार संगठन के व्यापार मंत्रियों के साथ बहुपक्षीय व्यापार सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। गोयल ने डब्ल्यूटीओ में वर्तमान सर्वसम्मति-आधारित दृष्टिकोण को मजबूत करने, कम विकसित देशों और विकासशील देशों को दिए जाने वाले विशेष और विभेदकारी व्यवहार तथा उन मुद्दों पर पुनः ध्यान केंद्रित करने की वकालत की, जिन्हें पिछली मंत्रिस्तरीय बैठकों में पहले ही अंतिम रूप दिया जा चुका है और अधिदेशित किया जा चुका है।

गोयल ने डब्ल्यूटीओ के व्यापार मंत्रियों के साथ बहुपक्षीय व्यापार चिंताओं पर चर्चा की

केंद्रीय मंत्री ने यह टिप्पणी ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, फ्रांस और नाइजीरिया सहित विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देशों के लगभग 25 मंत्रियों की बैठक में की। बैठक में विश्व व्यापार संगठन की महानिदेशक नगोजी ओकोन्जो-इवेला ने भी भाग लिया। बैठक में डब्ल्यूटीओ और बहुपक्षीय व्यापार से संबंधित कई मुद्दों पर बहुत अच्छी चर्चा हुई। इससे पहले ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा के साथ एक सार्थक बैठक हुई। भारत-ब्राजील आर्थिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने और प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया गया।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने इसके अलावा पेरिस में इजरायल के अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री के साथ बैठक की। पीयूष गोयल ने इस मुलाकात के बारे में लिखा है निर बरकत के साथ शानदार बैठक हुई। हमारी चर्चा हमारे व्यापार क्षेत्र में विविधता लाने, नवाचार को बढ़ावा देने और उच्च तकनीक तथा उभरते क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित रही, जिससे हमारी साझेदारी के अगले चरण का मार्ग प्रशस्त हुआ।

कोहली ने टेस्ट के प्रति फिर दिखाया प्यार, युवाओं से इस प्रारूप के सम्मान का आग्रह

अहमदाबाद

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर पहली बार ट्रॉफी अपने नाम की। इस जीत के बाद टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली बहुत भावुक नजर आए।

विराट आईपीएल की शुरुआत से इस फ्रेंचाइजी के लिए खेल रहे हैं, लेकिन अब जाकर उन्हें आईपीएल ट्रॉफी को उठाने का मौका मिला है। ऐसे में जीत के बाद विराट अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सके और बुहत इमोशनल हो गए। हालांकि आईपीएल ट्रॉफी जीत के जश्न के बीच उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के प्रति अपना प्यार एक बार फिर जाहिर किया।

मैच के बाद मैथ्यू हेडन के साथ बातचीत के दौरान विराट ने कहा कि यह पल मेरे करियर के सबसे बेहतरीन पलों में से एक है लेकिन यह अभी भी टेस्ट क्रिकेट से पांच स्तर नीचे है। यही कारण है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट से इतना प्यार है और यही कारण है कि वह टेस्ट क्रिकेट को इतना महत्व देते हैं।

उन्होंने आने वाले युवा पीढ़ियों से आग्रह किया है कि वे इस प्रारूप का सम्मान करें। उन्होंने आगे कहा कि मैं आने वाले युवाओं से यही आग्रह करूंगा कि वे इस प्रारूप का सम्मान करें। क्योंकि अगर आप टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आप दुनिया में कहीं भी चले जाएं, लोग आपकी आंखों में देखते हैं और आपसे हाथ मिलाते हैं और कहते हैं, शाबाश, आपने खेल बहुत अच्छा खेला। दिग्गज बल्लेबाज ने कहा कि इसलिए यदि आप विश्व क्रिकेट में सम्मान अर्जित करना चाहते हैं, तो टेस्ट क्रिकेट को अपनाएं और इसमें अपना दिल और जान लगा दें। विराट ने मई में टेस्ट क्रिकेट से लिया संन्यास36 साल के विराट कोहली ने पिछले महीने मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। विराट कोहली ने 123 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इसमें उन्होंने 30 शतक और 31 अर्धशतक के साथ 9230 रन बनाए। विराट के पास टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार रन बनाने का मौका था, लेकिन उन्होंने उससे पहले ही संन्यास ले लिया।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय कैडेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता आशीष सिंह को डीएम ने किया सम्मानित

मुरादाबाद। राष्ट्रीय कैडेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता में अपनी शानदार प्रतिभा का प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीतने वाले मुरादाबाद के आशीष सिंह को बधुवार को जिलाधिकारी अनुज सिंह ने अपने कार्यालय में मेडल पहनाकर सम्मानित किया। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज अली ने बताया कि आशीष सिंह ने उप्र के साथ मुरादाबाद का नाम भी रोशन किया है। उन्होंने आगे बताया कि राष्ट्रीय कैडेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता 29 मई से 2 जून तक देहरादून में आयोजित हुई थी। आशीष सिंह शहर के उभरते हुए ताइक्वांडो के जाबाज खिलाड़ी है। आशीष का चयन एशियन ताइक्वांडो प्रतियोगिता के कैंप में हो गया है जो अगले माह नाशिक में आयोजित होने वाला है। इस अवसर पर जिला संघ के पदाधिकारी सहित केशव थापा, सुमित शर्मा, शोभित भारद्वाज, अरविंद सिंह, संदीप कुमार, शिप्रा सिंह, रोहित कुमार आदि ने आशीष सिंह का स्वागत कर शुभकामनाएं दी।

आईपीएल 2025 में हार के बावजूद पंजाब किंग्स के प्रदर्शन से संतुष्ट कोच रिकी पोंटिंग

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से 6 रन से हारने के बावजूद पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने टीम के समग्र प्रदर्शन की सराहना की। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में पंजाब की टीम ने पहले गेंदबाजी करते हुए आरसीबी को नौ विकेट पर 190 पर रोक दिया था। टीम के लिए अर्शदीप सिंह और काइल जैमीसन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स को प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन मध्यक्रम उस लय को बरकरार नहीं रख सका और टीम लक्ष्य से महज 6 रन पीछे रह गई। आखिरी ओवरों में शशांक सिंह ने शानदार प्रयास करते हुए 30 गेंदों में नाबाद 61 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिकी पोंटिंग ने कहा कि जिस अंदाज में हमने इस पूरे सीजन में क्रिकेट खेला है, वह काफी मनोरंजक रहा है। एक कोच के तौर पर जब आप अपनी टीम के बारे में ऐसा कह सकते हैं, तो ये गर्व की बात है। हो सकता है कि आज हमारी युवा मिडिल ऑर्डर की थोड़ी अनुभवहीनता हार का कारण बनी हो, लेकिन मैं जानता हूं कि प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह और नेहाल वढेरा जैसे खिलाड़ी भविष्य में हमें कई मैच जिताएंगे।

बिहार के राजगीर में तेजी से बन रहा अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

पटना। बिहार की राजधानी पटना में राजगीर अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण का काम तेजी से चला रहा है। इससे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मैचों के आयोजन के साथ-साथ स्थानीय खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और खेल सुविधाएं मिल सकेंगी। ये स्टेडियम अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। इसमें अत्याधुनिक हाई मास्ट लाइट, साउंड सिस्टम, वाटर सप्लाई, फायर अलार्म, फायर फाइटिंग सिस्टल भी लगाया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टेडियम में लाल मिट्टी से बनाई जा रही 6 क्रिकेट पिचों का कार्य पूरा हो गया है। पिच पर घास लगाने का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। काली मिट्टी से 7 क्रिकेट पिच बनाई गई है। पिच पर घास लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके अलावा जनरल स्टैंड ईस्ट, जनरल स्टैंड वेस्ट तथा रिवर्स पवेलियन का सिविल वर्क भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। सिविल वर्क के साथ ही फिनिशिंग वर्क भी किया जा रहा है। क्रिकेट स्टेडियम में मुख्य पवेलियन का कार्य पूरा हो गया है। इस काम देख रही कंपनी के अनुसार अगले दो महीने में क्रिकेट स्टेडियम को मैच के लिए तैयार कर लिया जाएगा। वहीं जिला प्रशसन की ओर से कहा गया है कि समय समय सीम में इस काम को पूरा करने के आदेश दिये गये हैं। साथ ही कहा कि उन्होंने कहा कि सभी मानकों को ध्यान में रखकर कार्य पूर्ण किये जाने की शर्त रखी गयी है। मैदान पर घास लगाने का कार्य शुरू हो गया है, जिसे जल्द पूर्ण करने के लिए कहा गया है। बारिश होने पर मैदान से पानी निकासी हेतु ड्रेनेज प्रणाली विकसित की गई है।

आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-3 : पार्थ सालुंखे की चमक से बढ़ी भारत की उम्मीदें

नई दिल्ली

भारत के युवा तीरंदाज पार्थ सालुंखे की हालिया सफलता ने भारतीय तीरंदाजी में नई ऊर्जा भर दी है। शंघाई में हुए आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-2 में अपना पहला विश्व कप पदक जीतकर चर्चा में आए 21 वर्षीय पार्थ अब अंताल्या में बुधवार से शुरू हो रहे स्टेज-3 में दम दिखाने को तैयार हैं।

टोक्यो चैंपियन और कोरियाई दिग्गज को दी मात

महाराष्ट्र के सतारा से ताल्लुक रखने वाले पार्थ ने शंघाई में अपने जबरदस्त प्रदर्शन से सबको चौंका दिया। उन्होंने पहले राउंड में टोक्यो ओलंपिक चैंपियन मेटे गजोज़ को शूट-ऑफ में हराया और फिर क्वार्टरफाइनल में दो बार के ओलंपिक टीम गोल्ड मेडलिस्ट कोरियाई खिलाड़ी किम जे-डियोक को सीधे सेटों में मात दी। सेमीफाइनल में वह कोरियाई दिग्गज किम वू-जिन के खिलाफ 0-4 से पिछड़ने के बाद 4-4 की बराबरी पर आए, लेकिन निर्णायक सेट में करीबी मुकाबले में हार गए। इसके बावजूद, उन्होंने कांस्य पदक मुकाबले में पेरिस ओलंपिक रजत विजेता बैप्टिस्ट एडिस को हराकर अपना पहला वर्ल्ड कप पदक हासिल किया।

दबाव में नहीं डगमगाए पार्थ

हालांकि पार्थ क्वालिफिकेशन राउंड में भारतीय तीरंदाजों में सबसे पीछे 60वें स्थान पर रहे थे, लेकिन एलिमिनेशन राउंड में उन्होंने गजब की मानसिक मजबूती दिखाई। उनके अनुसार, मेरा फोकस सिर्फ पदक पर नहीं था, मैं देखना चाहता था कि मैंने जो प्रैक्टिस की है, वो मैच में उतार पाता हूं या नहीं।

टीम इंडिया की नजर अब अंताल्या में मेडल पर

पार्थ की इस प्रेरक सफलता से भारतीय पुरुष रिकर्व टीम - जिसमें तरुणदीप राय, अतानु दास और धीरेज बोम्मदेवरा शामिल हैं - को भी प्रेरणा मिली है। शंघाई में ब्रॉन्ज मेडल प्लेऑफ में अमेरिका से हारकर मेडल से चूकने वाली यह टीम अंताल्या में वापसी करना चाहेगी।

दीपिका की वापसी और कंपाउंड टीम का जलवा

महिला वर्ग में दीपिका कुमारी ने मां बनने के बाद जबरदस्त वापसी की है। शंघाई में उन्होंने कांस्य पदक जीता और सेमीफाइनल में कोरियाई लिम सिह्योन से हार गईं। दीपिका की निगाहें अब अपने पहले विश्व कप गोल्ड पर हैं जो उन्होंने आखिरी बार 2021 में जीता था।

भारत ने शंघाई में कुल सात पदक (2 स्वर्ण, 1 रजत, 4 कांस्य) जीतकर कोरिया के बाद दूसरा स्थान हासिल किया था। कंपाउंड वर्ग में भारत का दबदबा रहा, जहां मधुरा धमणगांवकर ने व्यक्तिगत स्वर्ण जीता और ओजस देओताले, ऋषव यादव और अभिषेक वर्मा की टीम ने भी गोल्ड पर कब्जा किया।

भारतीय दल - अंताल्या के लिए

रिकर्व पुरुष: धीरेज बोम्मदेवरा, पार्थ सालुंखे, अतानु दास, तरुणदीप राय

रिकर्व महिला: दीपिका कुमारी, अंकिता भगत, सिमरनजीत कौर, अंशिका कुमारी

कंपाउंड पुरुष: अभिषेक वर्मा, ऋषभ यादव, ओजस देओताले, उदय कम्बोज

कंपाउंड महिला: ज्योति सुरेखा वेन्नम, मधुरा धमणगांवकर, चिकीथा तनिपार्थी, अदिति स्वामी।

आईपीएल 2025 में दिल्ली को बड़ी उपलब्धि, अरुण जेटली स्टेडियम को मिला 'बेस्ट पिच एंड ग्राउंड' अवॉर्ड

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सफल आयोजन के बाद दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) को बड़ी उपलब्धि मिली है। बीसीसीआई (बीसीसीआई) ने अरुण जेटली स्टेडियम को बेस्ट पिच एंड ग्राउंड अवॉर्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान पिच की गुणवत्ता, आउटफील्ड की देखरेख और संपूर्ण ग्राउंड प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए दिया गया है। ग्राउंड स्टाफ की मेहनत को मिला सम्मान इस पुरस्कार के जरिए आईपीएल 2025 के दौरान ग्राउंड स्टाफ द्वारा किए गए शानदार कार्य को मान्यता मिली है। पूरे टूर्नामेंट में अरुण जेटली स्टेडियम ने खिलाड़ियों को न केवल प्रतिस्पर्धात्मक विकेट प्रदान किया, बल्कि दर्शकों को भी बेहतरीन अनुभव दिया। डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने जताया गर्व इस अवसर पर डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, यह अवॉर्ड हमारे क्यूरेटर, स्टाफ और प्रबंधन की अथक मेहनत का परिणाम है। हम क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर में उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विश्वस्तरीय स्टेडियम बनाने की दिशा में एक कदम डीडीसीए की उपाध्यक्ष शिखा कुमार ने कहा, यह सम्मान हमारे उस विजन को मान्यता देता है जिसमें हम अरुण जेटली स्टेडियम को एक वर्ल्ड-क्लास क्रिकेट वेन्यू बनाना चाहते हैं। यह दिल्ली क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण है। पर्दे के पीछे की टीम को मिला हक़ का सम्मान सचिव अशोक शर्मा ने कहा, हर शानदार मैच के पीछे एक मेहनती टीम होती है जो दिन-रात काम करती है। यह अवॉर्ड उसी जुनून और प्रोफेशनलिज्म का प्रतीक है। संयुक्त सचिव अमित ग्रोवर ने कहा, इस सम्मान से हम बेहद उत्साहित हैं। यह हमें खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए और बेहतर सुविधाएं विकसित करने के लिए प्रेरित करता है। कोषाध्यक्ष हरीश सिंगला ने कहा, यह उपलब्धि न केवल हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और योजनाबद्धता का भी प्रमाण है।

नॉर्वे शतरंज 2025 राउंड 8: हिकारू ने गुकेश को दी मात, कोनेरू हम्पी महिला वर्ग में आगे

स्टावेंगर (नॉर्वे)

नॉर्वे शतरंज 2025 के आठवें राउंड में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस राउंड का सबसे चर्चित मैच विश्व चैंपियन डी. गुकेश और अमेरिका के दिग्गज ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा के बीच खेला गया, जिसमें नाकामुरा ने जीत दर्ज की।

शुरुआत से ही हिकारू नाकामुरा ने आक्रामक अंदाज़ में खेलते हुए गुकेश को दबाव में ला दिया। पिछले दो राउंड में जबरदस्त बचाव करने वाले गुकेश इस बार नाकामुरा के हमलों के आगे टिक नहीं सके और उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से नाकामुरा को पूरे तीन अंक मिले।

एरिगैसी ने कारुआना की गलती का उठाया पूरा फायदा एक और अहम मुकाबले में भारतीय शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी की फबियानो कारुआना से लंबी और कठिन जंग चली। एंडगेम में कारुआना थोड़े बेहतर स्थिति में दिखे, लेकिन समय के दबाव में उन्होंने एक निर्णायक चूक कर दी। एरिगैसी ने इसका फायदा उठाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया और तीन अंक हासिल किए।

कार्लसन-वेई यी का मैच ड्रॉ, आर्मगेडन में वेई यी का जीत दिन का अंतिम मुकाबला चीन के वेई यी और विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के बीच खेला गया, जो नियमित समय में बिना किसी खास हलचल के ड्रॉ पर समाप्त हुआ। हालांकि, आर्मगेडन मुकाबले में वेई यी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्णायक अंक हासिल किए। महिला वर्ग: कोनेरू हम्पी शीर्ष पर बरकरार महिला वर्ग में भी आठवें राउंड में कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारत की अनुभवी खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने ईरान की सारा खादेम के खिलाफ जटिल स्थिति से बाज़ी को अपने पक्ष में मोड़ा। खुलेपन से ही हम्पी ने जटिल पोजिशन तैयार की और इसे सटीक अंदाज़ में जीत में बदल दिया। हालांकि, समय की कमी के चलते उन्होंने एक गंभीर चूक की, जिससे सारा खादेम के पास वापसी का मौका था लेकिन उस मौके को भुनाने में असफल रहीं और हम्पी ने तीन अंक पक्के किए।

फ्रेंच ओपन टेनिस

पेरिस के रोला गैरा में फ्रेंच ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में खेलते हुए अमेरिका के टामी पाल।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

नई दिल्ली

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने जुलाई में होने वाली पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिए 16 सदस्यीय आस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान ऑलराउंडर मिशेल मार्श को सौंपी गई है। ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज दौरे पर तीन टेस्ट और पांच टी-20 मैच खेलने हैं। टी-20 श्रृंखला की शुरुआत 19 जुलाई को होगी।

टी-20 टीम में पहली बार मिशेल ओवेन और मैथ्यू कुहनेमैन को शामिल किया गया है। दोनों ने घरेलू एवं लीग क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। कैमरून ग्रीन और कूपर कोनोली टीम में वापस आए हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को भी टीम में शामिल किया गया है। वे पाकिस्तान के खिलाफ पिछली टी20 सीरीज में नहीं खेल पाए थे। जेक फ्रेजर मैकगर्क और मार्क स्टोइनिस को टीम से बाहर कर दिया गया है।

चयन प्रमुख जॉर्ज बेली का कहना है कि यह श्रृंखला अगले वर्ष भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम चुनने के लिए महत्वपूर्ण है।

बेली ने कहा कि हमारा आगामी टी20 कार्यक्रम काफी व्यस्त है। हम एक ऐसी टीम का निर्माण कर रहे हैं जो हमें लगता है कि उपमहाद्वीप में होने वाले विश्व कप के लिए उपयुक्त होगी। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम: मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, बेन ड्वार्शियस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिच ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, एडम जम्पा।

भारतीय महिला हॉकी टीम एशिया कप में थाईलैंड के खिलाफ करेगी अपने अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम एशिया कप 2025 में अपने अभियान की शुरुआत 5 सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी। यह टूर्नामेंट 5 से 14 सितंबर के बीच चीन के हांगझोऊ में होगा। भारत को पूल-बी में रखा गया है, जिसमें गत चैंपियन जापान, थाईलैंड और सिंगापुर की टीमें भी शामिल हैं। पूल-ए में मेचबान चीन के साथ कोरिया, मलेशिया और चीनी ताइपे की टीमें शामिल हैं।

टीम इंडिया पिछली बार ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रही थी, लेकिन इस बार उसकी निगाहें स्वर्ण पदक पर होंगी। खास बात यह है कि एशिया कप का खिताब जीतने वाली टीम को 2026 महिला एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप के लिए सीधी क्वालिफिकेशन मिलेगी, जो टूर्नामेंट की अहमियत को और भी बढ़ा देता है।

कप्तान सलीमा टेटे उत्साहित

हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में भारतीय कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हम एशिया कप अभियान को लेकर बेहद उत्साहित हैं। जापान जैसी मजबूत टीम के साथ पूल में होना हमारे कौशल और मानसिक मजबूती की परीक्षा लेगा, लेकिन यह हमारे लिए एक शानदार मौका भी होगा कि हम शुरू में ही अपनी स्थिति आंक सकें। हमारा फोकस स्मार्ट और अनुशासित हॉकी खेलने पर रहेगा। हमारा लक्ष्य ट्रॉफी जीतना और वर्ल्ड कप में जगह पक्की करना है।

उपकप्तान नवनीत कौर ने बताया तैयारी का मंत्र

टीम की उपकप्तान नवनीत कौर ने कहा, यह टूर्नामेंट चुनौतीपूर्ण रहेगा, क्योंकि एशिया की शीर्ष टीमें आमने-सामने होंगी। हम इसे एक मौके की तरह देख रहे हैं कि अपनी पूरी ताकत मैदान पर दिखा सकें। हमने कठिन ट्रेनिंग की है और हर प्लान को सही तरीके से लागू करने की कोशिश करेंगे। जापान के खिलाफ पूल मुकाबला हमारे आत्मविश्वास को और बढ़ाएगा।

2017 में भारत बना था एशिया कप चैंपियन

भारतीय महिला हॉकी टीम ने पिछली बार 2017 में एशिया कप का खिताब जीता था, जब उसने फाइनल में चीन को हराया था। इसके बाद से टीम लगातार मजबूत होती जा रही है और इस बार एक बार फिर खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है।

एशिया कप 2025 में भारत के पूल-बी मुकाबले:

- 5 सितंबर 2025: भारत बनाम थाईलैंड
- 6 सितंबर 2025: जापान बनाम भारत
- 8 सितंबर 2025: भारत बनाम सिंगापुर।

सिर्फ सुंदर दिखने के लिए ही नहीं किया जाता दुल्हन का सोलह शृंगार

शादी का दिन हर व्यक्ति के जीवन का एक खास पल होता है। यह एक ऐसा रिश्ता होता है, जो दो लोगों को हमेशा के लिए एक साथ जोड़ देता है। खासकर लड़कियों के लिए यह दिन बेहद खास होता है। इस मौके के लिए दुल्हन खास तैयारियां करती हैं। अपनी वेडिंग आउटफिट से लेकर पारंपरिक गहनों तक, शादी के दिन एक दुल्हन का अलग ही रूप देखने को मिलता है। इस दिन महिला को खास तरीके से सजाया जाता है और इस दिन किए जाने वाले उनके इस शृंगार को सोलह शृंगार कहा जाता है। इस शब्द का इस्तेमाल तो हम कई बार करते हैं, लेकिन शायद ही आपको इसका महत्व और असल मतलब पता होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे क्यों शादी के दिन किया जाता है दुल्हन का सोलह शृंगार और क्या है इसका महत्व - भारतीय परंपरा के अनुसार, दुल्हन अपनी शादी के दिन 16 शृंगार करती है। यह रस्म प्राचीन काल से चली आ रही है और दुल्हन की तैयारियों का एक अभिन्न अंग है। इस शृंगार के पीछे की कहानी प्रेम के देवता कामदेव की पत्नी रति से जुड़ी है। रति ने देवी लक्ष्मी को खुश करने के लिए कठोर तपस्या की थी। तब उन्हें मां लक्ष्मी से 16 शृंगार प्राप्त हुए और उन्होंने कामदेव को आकर्षित करने और उनसे विवाह करने के लिए इन्हें पहना था। तभी से शादी के दिन सोलह शृंगार करने की परंपरा शुरू हो गई। सोलह शृंगार में शामिल हर एक चीज का एक विशेष महत्व है। ये सभी गहने और सजने की चीजें दुल्हन की सुंदरता का सम्मान करने और जश्न मनाने का एक तरीका है। आइए जानते सोलह शृंगार में शामिल हर एक चीज का महत्व-

सिंदूर : सोलह शृंगार में पहला सिंदूर है, जिसे कुमकुम के रूप में भी जाना जाता है। शादीशुदा महिला के लिए सिंदूर बेहद खास माना जाता है, क्योंकि यह दुल्हन के रूप में एक महिला के नए जीवन की शुरुआत का प्रतीक है। सिंदूर को दूल्हे दुल्हन के बालों के बीच मांग में भरता है, जिसे फिर सुहागन महिला जीवन भर लगाती रहती है। सिंदूर का जिक्र हड़प्पा सभ्यताओं में भी मिलता है। इस दौरान विवाहित महिलाएं अन्य पुरुषों को खुद से दूर करने के लिए इसे लगाती थीं। इसके अलावा हिंदू शास्त्रों में राधा और सीता माता के सिंदूर लगाने का भी उल्लेख मिलता है।

गजरा या केशपशराचन : जैसाकि नाम से भी समझ आ रहा है, यह बालों में लगाना जाने वाला एक आभूषण है। कई दुल्हनें बालों में अलग-अलग तरह के हेडपीस से बालों को सजाती हैं, तो वहीं कुछ फूलों से बने सुगंधित गजरों का इस्तेमाल करती हैं। ये फूल दुल्हन को पूरे दिन तरोताजा रखते हैं और उनकी सुंदरता को निखारते हैं।

मांगटीका : मांगटीका एक दुल्हन के शृंगार का अहम हिस्सा होता है। हम सभी इसके महत्व के बारे में जानते हैं। ऐसा माना जाता है कि मांगटीका माथे के जिस हिस्से पर टिका होता है, तो आज्ञा चक्र या तीसरी आंख का घर माना जाता है। ऐसे में दुल्हन जब इसे पहनती है, तो वह अपनी भावनाओं को कंट्रोल करने और अपने ज्ञान, बुद्धि, साहस और इच्छाशक्ति को सक्रिय करने की क्षमता रखती है।

बिंदी : बिंदी एक महिला की खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। बिंदी संस्कृत शब्द बिंदु से आया है, जिसका मतलब एकाग्रता में सुधार और ऊर्जा से जुड़ा है। ऐसे में जब दुल्हन बिंदी लगाती है, तो न सिर्फ उसकी खूबसूरती बढ़ती है, बल्कि उनकी एकाग्रता और ऊर्जा भी बढ़ती है।

काजल : माथे के बाद अब बारी आती है आंखों की। दुल्हन की खूबसूरती को निखारने के लिए सदियों से काजल का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह न सिर्फ आंखों की खूबसूरती बढ़ाता है, बल्कि ऐसा भी माना जाता है कि यह विभिन्न संस्कृतियों में बुरी नजर को दूर रखता है।

कर्ण फूल या झुमके : शादी के दिन का लुक खूबसूरत झुमकों के सेट के बिना अधूरा ही लगता है। कर्ण फूल एक संस्कृत शब्द है, जिसका मतलब *कानों का फूल* होता है और यह सोलह शृंगार का एक जरूरी हिस्सा है।

नथ : नाक में पहनी जाने वाली नथ भी सोलह शृंगार का एक अहम हिस्सा है। हालांकि, इन दिनों कई दुल्हन नथ की जगह लौंग (नोजपिन) का भी इस्तेमाल करती हैं। यह दुल्हन के लिए एक जरूरी गहना है, जिसे वीरता, उर्वरता और आध्यात्मिकता का प्रतीक माना जाता है। खासतौर पर नथ एक दुल्हन के लुक को पूरा करती है।

हार : यह एक ऐसा आभूषण है, जो दुल्हन के पूरे लुक की जान होता है। कहा जाता है कि हार सुरक्षा और संपन्नता का प्रतिनिधित्व करता है और माना जाता है कि यह पहनने वाले को अपनी भावनाओं को बेहतर ढंग से नियंत्रित करने में मदद करते हैं। कई जगह ऐसा भी माना जाता है कि हार सौभाग्य लाते हैं और बुरी आत्माओं को दूर भगाते हैं।

बाजुबंद : बाजुबंद पारंपरिक भारतीय दुल्हन के आभूषणों में से यह एक है, जिसे ऊपरी बांह पर पहना जाता है। ऐसा माना जाता है कि बाजुबंद बुरी आत्माओं को दूर रखता है और पहनने वाले की रक्षा करता है।

चूड़ियां और कंगन : चूड़ियां और कंगन एक महिला के शृंगार के लिए कितना जरूरी है, यह तो आप कई बॉलीवुड गानों से जान सकते हैं। यह सोलह शृंगार का एक अहम हिस्सा है, जो दुल्हन के पारंपरिक लुक को पूरा करता है। ऐसा माना जाता है कि चूड़ियां और कंगन पहनने वाले के लिए स्वास्थ्य, भाग्य और समृद्धि लाते हैं।

हाथफूल और आरसी : हाथफूल चूड़ी और अंगूठी का एक बेहतरीन मिश्रण है। इन दोनों का बेहतरीन कॉम्बिनेशन, पारंपरिक भारतीय दुल्हन की खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देता है। वहीं, आरसी के नाम से जानी जाने वाली अंगूठे की अंगूठी भी कुछ दुल्हनें पहनती हैं। आरसी में एक छोटा सा शीशा होता है, जिसे पहले दुल्हन दूल्हे की एक झलक पाने के लिए पहनती थी, क्योंकि वह घूंघट में ढकी होती है और दूल्हे का चेहरा नहीं देख सकती थी।

मेहंदी : मेहंदी एक सुहागन के शृंगार का अहम हिस्सा माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि मेहंदी दुल्हन के लिए सौभाग्य और खुशी लाती है। मेहंदी का गहरा रंग दुल्हन और दूल्हे के बीच के मजबूत बंधन को दर्शाता है।

कमरबंद : उत्तर भारतीय शादियों में कमरबंद का इस्तेमाल कम होता है, लेकिन यह दक्षिण भारतीय दुल्हन के शृंगार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारतीय दुल्हन के इस आभूषण को रत्नों से सजाया जाता है और इसका इस्तेमाल महिला की खूबसूरती को निखारने के लिए किया जाता है।

पायल और बिछिया : पायल और बिछिया एक पारम्परिक आभूषण है, जो सुहागन महिला पैरों को सुशोभित करती हैं।

मिनिमल मेहंदी और एलिगेंट साड़ी के साथ दुल्हनिया बनीं हिना खान

जानी-मानी टीवी एक्ट्रेस हिना खान शादी के बंधन में बंध चुकी हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अचानक अपनी शादी की तस्वीरें शेयर कर फैंस को हैरान कर दिया। पिछले कुछ दिनों से कैंसर का इलाज करा रहीं एक्ट्रेस फैंस के साथ लगातार खुद से जुड़ी अपडेट्स शेयर करती रहती हैं। इसी बीच उनकी शादी की तस्वीरों को देख फैंस के बीच खुशी का माहौल है। एक्ट्रेस ने बेहद सादगी भरे अंदाज में अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल के साथ शादी रचाई। उन्होंने कानूनी तौर पर अपनी शादी रजिस्टर कराई है। इस खास मौके के लिए उन्होंने बेहद खास लुक चुना। आइए जानते हैं कैसे था हिना और रॉकी का वेडिंग लुक- शादी के खास मौके के लिए एक्ट्रेस ने क्लासिक रेड कलर को छोड़ ओपल ग्रीन रंग का आउटफिट चुना। अपनी शादी के खास मौके पर एक्ट्रेस पारंपरिक लहंगे से अलग साड़ी पहने नजर आईं। इस दौरान उन्होंने मशहूर सेलिब्रिटी डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की खूबसूरत हैंडलूम साड़ी पहनकर सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा। साथ ही उनकी इस साड़ी पर हिंदी में हिना और रॉकी का नाम इनफिनिटि के साइन के साथ लिखा हुआ था। गुलाबी रंग का बॉर्डर, जरदोजी का बारीक काम और उसके साथ पेयर किया गया गुलाबी रंग का घूंघट उनके इस लुक को और भी खूबसूरत बना रहा था। साथ ही अपने इस लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने मनीष मल्होत्रा के ब्राइडल ज्वेलरी कलेक्शन को चुना, जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहे थे। अपने इस सादगी भरे लुक के अलावा एक्ट्रेस ने अपनी बेहद खूबसूरत और मिनिमल स्टाइल मेहंदी से भी लोगों को ध्यान अपनी ओर खींचा। ट्रेडिशनल दुल्हन से अलग एक्ट्रेस ने कमल के फूल वाली सिंपल और मिनिमल मेहंदी डिजाइन फॉलो की, जो उनके इस डिसेंट लुक को और भी ज्यादा एलिगेंट बना रही थी। साथ ही उन्होंने पैरों पर भी बेहद सिंपल मगर गजब भी खूबसूरत मेहंदी लगाई थी, जिसे देख आप भी तारीफ किए बिना नहीं रह पाएंगे।

सत्यमेव जयते
অসম চৰকাৰ

LiFE Lifestyle for Environment

সাংস্কৃতিক পৰিক্ৰমা বিভাগৰ উদ্যোগত আৰু
পৰিৱেশ আৰু বন বিভাগৰ সহযোগত

বিশ্ব পৰিবেশ দিবস

৫ জুন ২০২৫

উপলক্ষে

অসমৰ প্ৰতিটো বিধান সভা সমষ্টিত

বাটৰ নাট প্ৰদৰ্শন

নদীৰ অসুখ

বিশ্বব্যাপী প্লাষ্টিক প্ৰদূষণৰ অৱসান

সঞ্চালক
সাংস্কৃতিক পৰিক্ৰমা বিভাগ, অসম

তথ্য আৰু জনসংযোগ সঞ্চালকালয়, অসমৰ দ্বাৰা প্ৰচাৰিত

Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

অসম বার্তা ছাবস্ক্রাইব কৰিবলৈ ৭৬৩৬৮৩৪৯৪৩ ত Assam লিখি ৱাটছএপ কৰক

-- DIPR/D/VBS-26/5-Jun-25

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**